मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, बुधवार, 13 मई 2026
संवत 2083, जेष्ठ कृष्ण पक्ष 12 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 238 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ जीवन की सार्थकता उसकी लंबाई नहीं, मयार्दा में निहित
अमीषा पटेल ने फिल्म गदर 3 की कन्फर्म ◀◀ 6

पूर्व मंत्री माधव लाल सिंह का निधन, रांची के निजी अस्पताल में ली अंतिम सांस

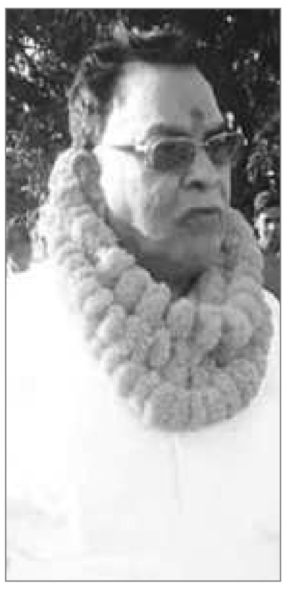

संवाददाता

रांचीः झारखंड की राजनीति से एक दुखद खबर सामने आई है। पूर्व मंत्री और गोमिया के वरिष्ठ नेता माधव लाल सिंह का निधन हो गया है। बीते दिनों अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें पहले बोकारो के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया। इसके बाद उन्हें रांची स्थित पल्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बुधवार सुबह इलाज के दौरान वे अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर फैलते ही गोमिया सहित पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई। माधव लाल सिंह का राजनीतिक सफर काफी लंबा और प्रभावशाली रहा। गोमिया विधानसभा क्षेत्र की जनता ने उन्हें चार बार अपना प्रतिनिधि चुना। वे वर्ष 1985, 1990, 2000 और 2009 में विधायक निर्वाचित हुए थे। बिहार की राजनीति से लेकर झारखंड बनने के बाद तक उन्होंने सक्रिय और मजबूत भूमिका निभाई।

माधव बाबू के नाम से थे लोकप्रिय : राजनीति में माधव लाल सिंह की पहचान सिर्फ एक नेता के तौर पर नहीं थी, बल्कि एक ऐसे जनप्रतिनिधि के रूप में थी जो लोगों के बीच सहजता से उपलब्ध रहते थे। समर्थकों और आम लोगों के बीच वे प्यार से ҹमाधव बाबूҹ कहलाते थे। मंत्री पद पर रहने के बावजूद उनकी सादगी, ईमानदारी और जनता से सीधा जुड़ाव उनकी खास पहचान रही। गोमिया और आसपास के ग्रामीण इलाकों में उनकी पकड़ काफी मजबूत मानी जाती थी। क्षेत्र के विकास, सड़क, बिजली, पानी और स्थानीय समस्याओं को लेकर वे लगातार सक्रिय रहते थे।यही वजह रही कि राजनीतिक गलियारों के साथ-साथ आम जनता के बीच भी उनका गहरा प्रभाव था।

अस्पताल और आवास पर जुटने लगे समर्थक : निधन की खबर मिलते ही उनके समर्थकों, शुभचिंतकों और राजनीतिक कार्यकताओं का रांची स्थित अस्पताल और उनके आवास पर पहुंचना शुरू हो गया। कई समर्थक फोन पर यह खबर सुनकर भावुक हो गए। गोमिया क्षेत्र में शोक और मायूसी का माहौल है। माधव लाल सिंह के निधन पर अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक संगठनों और क्षेत्रीय लोगों ने गहरा शोक जताया है। कई लोगों ने इसे झारखंड की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। उनके निधन से एक ऐसे जननेता का अध्याय खत्म हुआ, जिसकी पहचान सत्ता से ज्यादा जनता के बीच थी।

पूर्व विधायक माधव लाल सिंह के निधन पर सीएम हेमंत ने जताया शोक

राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार का निर्देश

रांची : गोमिया से पूर्व विधायक और झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री माधव लाल सिंह का निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गहरा दुख जताते हुए उन्हें जनसेवा के लिए समर्पित नेता बताया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शोक संदेश जारी करते हुए लिखा कि गोमिया से पूर्व विधायक, एकीकृत बिहार सरकार और राज्य गठन के बाद झारखंड सरकार में मंत्री रहे आदरणीय माधव लाल सिंह के निधन का समाचार बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि माधव लाल सिंह ने लंबे समय तक जनसेवा और सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण

योगदान दिया। सीएम ने अपने संदेश में कहा कि स्वर्गीय माधव लाल सिंह का निधन सार्वजनिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने मरांग बुरु से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार व समर्थकों को इस दुख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

राजकीय सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार : मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि पूर्व मंत्री माधव लाल सिंह का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ कराया जाए। इस फैसले से उनके समर्थकों और राजनीतिक सहयोगियों के बीच भावनात्मक माहौल है। सरकार की ओर से यह सम्मान उनके लंबे सार्वजनिक जीवन और योगदान को देखते हुए दिया जा रहा है।

किचन में बेसुध होकर गिरे प्रतीक, अस्पताल पहुंचने से पहले थम चुकी थीं सांसें

लखनऊ : मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और अपर्णा सिंह के पति प्रतीक यादव के अचानक निधन से सब हैरान हैं। बुधवार सुबह खबर मिलते हुए यादव परिवार समेत उनके करीबी गहरे शोक में डूब गए। प्रतीक यादव के करीबी बिजनेसमैन मुकेश बहादुर सिंह ने बड़ा खुलासा किया है। पोस्टमार्टम हाउस के बाहर उन्होंने बताया कि प्रतीक की तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह किचन में बेसुध होकर गिर पड़े थे।

मुकेश बहादुर सिंह के मुताबिक अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक की तबीयत अचानक से बिगड़ गई थी और वह घर के किचन में बेहोश होकर गिर पड़े थे। इससे परिवार में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में उन्हें सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं,

अस्पताल प्रशासन की माने तो 5 बजकर 55 मिनट पर प्रतीक यादव को अस्पताल लाया गया था। जहां हालत गंभीर देख उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। उनकी धड़कने रुक गई थीं। शुरूआती जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रतीक के करीबी ने सोशल मीडिया चल रहे अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि बॉडी देखी है। शव पर चोट के निशान नहीं थे और न ही शरीर का रंग नीला पड़ा था। ये सब अफवाहें हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सच्चाई सामने आ पाएगी।

2 घंटे तक चला पोस्टमार्टम : प्रतीक यादव का पोस्टमार्टम पूरा हो गया है। करीब दो घंटे तक चली पोस्टमार्टम प्रक्रिया छह डॉक्टरों की टीम ने पूरी की। इस टीम में मेडिकल कॉलेज के दो डॉक्टरों समेत चार अन्य डॉक्टर शामिल थे। पोस्टमार्टम के दौरान विसरा सुरक्षित रख लिया गया है, जिसे जांच के लिए भेजा जाएगा।

सपा विधायक ने की हाईकोर्ट से जांच की मांग : सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा ने अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक यादव की मौत की जांच उच्च न्यायालय के किसी पूर्व न्यायाधीश से करने की मांग की है। प्रतीक के शव के पोस्टमार्टम के दौरान किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय पहुंचे मेहरोत्रा ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि प्रतीक की मौत की जांच की जानी चाहिए। लखनऊ (मध्य) सीट से सपा के विधायक मेहरोत्रा ने कहा, 'उच्च न्यायालय के किसी पूर्व न्यायाधीश की अगुवाई में इसकी जांच होनी चाहिए, क्योंकि डॉक्टर का कहना है कि अस्पताल आने से पहले उनकी मौत हो गई थी।'

उन्होंने कहा, 'मैंने डॉक्टर से पूछा कि पोस्टमार्टम क्यों हो रहा है तो उन्होंने कहा कि यह सामान्य मौत नहीं है। संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हुई है। अस्पताल में आने से पहले ही रास्ते में उनकी मौत हो चुकी थी। उन्हें अस्पताल लाने में देर हुई है इसलिए हम लोग यह मांग करते हैं कि प्रतीक यादव की मौत की जांच कराई जाए।

जामताड़ा में दो साइबर ठग गिरफ्तार, गेमिंग एप के नाम पर लोगों को लगाते थे चूना

जामताड़ा : साइबर अपराध के लिए बदनाम जामताड़ा में पुलिस ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। गेमिंग एप के जरिए लोगों को ठगने वाले दो साइबर अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 7 मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि आरोपी ऑनलाइन गेमिंग और लुभावने ऑफर के नाम पर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पहले लोगों से संपर्क करते थे और उन्हें गेमिंग एप या ऑनलाइन ऑफर का लालच देते थे। जैसे ही कोई उनके झांसे में आता, उससे निजी जानकारी हासिल करने या पैसे ट्रांसफर कराने का खेल शुरू हो जाता था। साइबर ठग लगातार नए-नए तरीके निकाल रहे हैं और इस बार गेमिंग एप को ठगी का हथियार बनाया गया था।

7 मोबाइल फोन बरामद : छापेमारी के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों को दबोचा और उनके पास से 7 मोबाइल फोन जब्त किए। पुलिस अब इन मोबाइल फोन की जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कितने लोगों को निशाना बनाया गया और नेटवर्क कितना बड़ा है। जांच एजेंसियां यह भी खंगाल रही हैं कि इस गिरोह से और

कौन-कौन जुड़े हैं। जामताड़ा का नाम लंबे समय से साइबर अपराध से जुड़ता रहा है। पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है, लेकिन साइबर ठग नए तौर-तरीकों से लोगों को निशाना बनाने की कोशिश करते रहते हैं। इस कार्रवाई से साफ है कि पुलिस अब तकनीकी निगरानी के जरिए ऐसे गिरोहों पर लगातार नजर रख रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी अनजान लिंक, गेमिंग ऑफर या संदिग्ध ऐप पर भरोसा न करें। बिना जांचे-परखे कोई ऐप डाउनलोड न करें और न ही अपनी बैंकिंग या निजी जानकारी किसी के साथ साझा करें।

पाकुड़ में पिता की धारदार हथियार से हत्या शराबी बेटे ने दिया वारदात को अंजाम

पाकुड़ः शहरी क्षेत्र के किताझोर मोहल्ले में एक बेटे ने अपने पिता की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। घटना बीते मंगलवार की देर रात की है। सूचना मिलते ही नगर थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आरोपी बेटे को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इधर, शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

कहासुनी में पिता की ले ली जान : मिली जानकारी के मुताबिक बीती देर रात 60 वर्षीय दिवाकर सरदार एवं उसके पुत्र अनूप सरदार के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इस दौरान अनूप ने अपने पिता पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिसके कारण उसकी मौत हो गयी।

पत्नी को भी जलाने का किया था प्रयास : हत्यारोपी की पत्नी व बेटी सहित परिजनों ने बताया कि अनूप सरदार हर दिन शराब पीकर घर आता था और घर के लोगों गाली-गलौज व मारपीट किया करता था। बेटी ने बताया कि अनूप ने पहले भी अपनी पत्नी के साथ मारपीट की थी और घर में आग लगा दी थी। इस दौरान उसने उसे जलाने की भी कोशिश की थी।

अनूप को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएः परिजन : परिजनों ने बताया कि रात में अनूप शराब के नशे में घर आया और बेवजह अपने पिता के साथ उलझने लगा। जब उसे शांत करने का प्रयास किया गया तो उसने धारदार हथियार से अपने पिता पर वार कर उसकी हत्या कर दी। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से अनूप को कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

हत्यारोपी से पूछताछ जारी : घटना को लेकर नगर थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि इस मामले में हत्यारोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों के बयान पर प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

दुमका में खेल अभ्यास के दौरान छात्रा की मौत, कार्डियक अरेस्ट की आशंका

संवाददाता

दुमकाः जिले में स्कूली छात्राओं के लिए आयोजित समर कैंप में खेल अभ्यास के दौरान एक छात्रा की मौत हो गई। इस घटना के बाद संबंधित विद्यालय सहित तमाम खेल प्रेमियों में शोक की लहर है। घटना के कारण बच्चों को स्कूल से छुट्टी दे दी गई है। जिला खेल अधिकारी तूफान कुमार पोद्दार ने कहा कि आशंका है कि प्रैक्टिस के दौरान कार्डियक अरेस्ट की वजह से ऐसा हुआ। विभाग द्वारा सरकार से मुआवजा दिलाने की कोशिश की जाएगी।

कैसे हुई छात्रा की मौत : दरअसल, दुमका जिला खेलकूद विभाग के द्वारा जिला स्कूल परिसर में 60 स्कूली छात्राओं के लिए एक समर कैंप आयोजित किया गया है, जिसमें छात्राओं को कई तरह के खेल, योगा, मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी शिविर में सिदो कान्हू

विद्यालय के आठवीं की छात्रा श्वेता टुडू भी प्रशिक्षण ले रही थी।

मंगलवार शाम को श्वेता टुडू दौड़ अभ्यास के लिए ट्रेनिंग कैंप हॉल के अंदर चक्कर लगा रही थीं। इसी दौरान वह अचानक गिर गई। ट्रेनिंग कैंप की मॉनिटरिंग कर रहे खेल पदाधिकारी तूफान कुमार पोद्दार ने तुरंत श्वेता को अपनी गाड़ी से फूल झानो मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। श्वेता टुडू दुमका के जामा थाना क्षेत्र के कटहरा गांव की रहने वाली थी और उनके पिता जामताड़ा जिले में पुलिस विभाग में कार्यरत हैं।

परिजनों को दिलाया जाएगा मुआवजाः जिला खेल पदाधिकारी : दुमका जिला खेल पदाधिकारी तूफान कुमार पोद्दार ने बताया कि दुमका के स्कूली छात्राओं के लिए तरह-तरह के खेलों, योगा, मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग देने के लिए एक कैंप का आयोजन किया गया है। इसी में यह घटना घटी। उन्होंने कहा कि श्वेता टुडू एक अच्छी फुटबॉलर थी। उन्होंने कहा कि इस मामले में विभाग के वरीय अधिकारियों से बातकर खिलाड़ी कल्याण कोष से मुआवजा दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगे एहतियात बरतते हुए कैंप मैं भाग लेने वाली अन्य बच्चियों के लिए मेडिकल जांच की व्यवस्था की जाएगी।

थाना प्रभारी ने दी जानकारी : वहीं, दुमका नगर थाना प्रभारी अशोक राम ने बताया कि उन्हें अस्पताल से छात्रा के बेहोश होने की सूचना मिली थी। थाना प्रभारी ने बताया कि उनके पिता ने लिखित रूप से आवेदन देकर यह आग्रह किया कि जब श्वेता की मौत सबों के सामने हुई है तो हमलोग पोस्टमार्टम नहीं करवाना चाहते हैं। हमने उन्हें काफी समझाने का प्रयास किया, इसके बावजूद परिजन पोस्टमार्टम नहीं करने पर अड़े रहे। जिसके कारण शव को बिना पोस्टमार्टम के ही परिवार को सौंप दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा नीट यूजी 2026 विवाद

परीक्षा प्रक्रिया पर उठाए सवाल

नई दिल्लीः नीट यूजी 2026 परीक्षा को लेकर मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए) ने कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए परीक्षा प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं और कई बड़े सुधारों की मांग की है। एफएआईएमए का कहना है कि पिछले कुछ समय से नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा की विश्वसनीयता पर बार-बार सवाल उठते रहे हैं। खासकर पेपर लीक, तकनीकी गड़बड़ियों और पारदर्शिता की कमी जैसी शिकायतों ने लाखों छात्रों और अभिभावकों का भरोसा कमजोर किया है। इसी वजह से संगठन ने मांग की है कि नीट यूजी 2026 की पूरी प्रक्रिया को या तो दोबारा कराया जाए या फिर इसे न्यायिक निगरानी में कराया जाए, ताकि निष्पक्षता बनी रहे। याचिका में सबसे बड़ा मुद्दा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को लेकर उठाया गया है। एफएआईएमए का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में एनटीए की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। इसलिए या तो इसे पूरी तरह हटाया जाए या फिर इसका पुनर्गठन करके एक नई, ज्यादा पारदर्शी, तकनीकी रूप से मजबूत और स्वायत्त संस्था बनाई जाए। इसके अलावा याचिका में यह भी मांग की गई है कि जब तक नई स्वतंत्र परीक्षा संस्था (एनईआईसी) की व्यवस्था लागू नहीं होती, तब तक नीट यूजी 2026 की परीक्षा और उससे जुड़ी पूरी प्रक्रिया एक हाई-पावर्ड कमेटी की निगरानी में हो। इस कमेटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज करें और इसमें एक साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ और एक फॉरेंसिक साइंटिस्ट को भी शामिल किया जाए।

एफएआईएमए ने यह भी सुझाव दिया है कि परीक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाने के लिए डिजिटल लॉकिंग सिस्टम, कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल और आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाए। साथ ही पारंपरिक ऑफलाइन परीक्षा के बजाय कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) मॉडल को अपनाने पर भी जोर दिया गया है। याचिका में कहा गया है कि सीबीआई चार हफ्तों के अंदर सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करे। इस रिपोर्ट में अब तक की जांच, पेपर लीक से जुड़े नेटवर्क, गिरफ्तारियां, आरोपियों की जानकारी और आगे की कार्रवाई का पूरा विवरण शामिल होना चाहिए। इसके साथ ही यह भी मांग की गई है कि नीट यूजी 2026 के सेंटर-वाइज रिजल्ट सार्वजनिक किए जाएं, ताकि किसी भी तरह की असामान्यता या गड़बड़ी को आसानी से पहचाना जा सके और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जा सके।

पीएम मोदी की अपील के बाद केंद्रीय मंत्रियों-कई सीएम ने काफिले का आकार घटाया

मेट्रो-इलेक्ट्रिक वाहनों का किया इस्तेमाल

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नागरिकों से ईंधन की खपत कम करने की अपील के बाद देश भर के राजनीतिक नेताओं और सरकारों ने ईंधन बचाने के उपाय अपनाने शुरू कर दिए हैं। प्रधानमंत्री की अपील के बाद कई नेताओं ने ईंधन बचाने और ऊर्जा बचत प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए मेट्रो यात्रा, इलेक्ट्रिक वाहनों और काफिले का आकार घटाने जैसे विकल्पों को चुना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को प्रधानमंत्री के ईंधन उपयोग कम करने के आह्वान के अनुरूप अपने-अपने

आवासों से काफी छोटे काफिले के साथ रवाना हुए। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नागरिकों से ईंधन बचाने और ऊर्जा कुशल प्रथाओं को अपनाकर प्रधानमंत्री के संदेश का पालन करने का आग्रह किया। यूपी सरकार ने आधिकारिक काफिलों में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की संख्या में 50 प्रतिशत की कमी करने का निर्देश दिया और अधिकारियों को जहां भी संभव हो, घर से काम करने और वर्चुअल बैठकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री योगी ने लोगों से सार्वजनिक परिवहन, साइकिल और इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिक उपयोग करने की अपील की और साप्ताहिक ₹वाहन निषेध दिवस₹ ??मनाने के विचार को बढ़ावा दिया। इस बीच, प्रधानमंत्री की अपील के बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने आधिकारिक काफिले में वाहनों की संख्या 13 से घटाकर 8 कर दी। मध्य प्रदेश सरकार ने वाहन रैलियों पर भी प्रतिबंध लगा दिया है और मंत्रियों और अधिकारियों को वाहनों का कम से कम उपयोग करने और बड़े औपचारिक जुलूसों से बचने का निर्देश दिया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी घोषणा की कि सरकार द्वारा आधिकारिक कार्यों के लिए कम से कम वाहनों का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह कैबिनेट मंत्रियों, भाजपा विधायकों, जन प्रतिनिधियों, दिल्ली सरकार के अधिकारियों और सभी विभागों के साथ मिलकर कारपूलिंग और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देंगी और आधिकारिक कार्यों के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहनों की संख्या कम करेंगी। इस घोषणा के बाद, दिल्ली के मंत्री आशीष सूद और कपिल मिश्रा दिल्ली मेट्रो का इस्तेमाल करते हुए अपने कार्यालयों तक गए।

सीबीएसई बोर्ड : 12वीं में 85.20 प्रतिशत छात्र पास, लड़कियों का प्रदर्शन बेहतर

नई दिल्ली : सीबीएसई 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उपस्थित हुए छात्रों के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को इंटरमीडिएट (12वीं) बोर्ड की परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। ऐसे में जो छात्र-छात्राएं बोर्ड परिणाम जारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, वे अब बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के अलावा डिजीलॉकर पोर्टल और उमंग ऐप पर भी जाकर अपना रिजल्ट चेक करने के साथ स्कोरकार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। सीबीएसई की ओर से जारी नतीजों के मुताबिक, इस वर्ष परीक्षा में कुल 85.20 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं, जिसमें लड़कियों ने एक बार फिर बाजी मारते हुए लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। सीबीएसई 12वीं बोर्ड की परीक्षा में लड़कियों का कुल पास प्रतिशत 88.86 फीसदी और लड़कों का 82.13 फीसदी दर्ज किया गया है। सीबीएसई 12वीं रिजल्ट में 94,028 छात्रों ने 90 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं जबकि 17,113 छात्रों ने 95 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

सीबीएसई 12वीं बोर्ड का परिणाम चेक करने के लिए उम्मीदवार सबसे पहले बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

व्यवसायिक प्रशिक्षकों का बकाया मानदेय भुगतान को लेकर पदयात्रा

मुरी: झारखंड के विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत व्यवसायिक प्रशिक्षक 13 माह से लंबित मानदेय भुगतान की माँग को लेकर पदयात्रा करते हुए रांची पहुँचा । पदयात्रा का नेतृत्व जेएलकेएम केन्द्रीय वरीय उपाध्यक्ष एवं आंदोलनकारी नेता देवेन्द्र नाथ महतो थे जो मोराबादी बापू वाटिका से अल्बर्ट एक्का चौक तक था, शहीद चौक पहुंचते ही पुलिस प्रशासन पदयात्रा को रोक दिया और जिला स्कूल मैदान पहुंचा, लेकिन कुछ देर बाद सभी प्रदर्शनकारी प्रशिक्षक फिर से अल्बर्ट एक्का चौक के लिए निकल गए तभी देवेन्द्र नाथ महतो और पुलिस प्रसाशन के बीच खूब बहस हुई, उसके पश्चात माहौल गर्म हुआ भारी बारिश में भींगते हुए अल्बर्ट एक्का चौक में घंटों प्रदर्शन किया , जेईपीसी और हेमंत सरकार के विरोध में खूब नारेबाजी की गई। 202

टैंकर की चपेट में आने से युवक की मौत, कई घंटों तक जाम

खूंटी : खूंटी-रांची मुख्य मार्ग पर स्थित हूंटार चौक में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया और पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की मांग करने लगे।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान खूंटी जिला के बिरहु गांव निवासी स्वर्गीय सुलेमान संगा के 30 वर्षीय पुत्र परिमल संगा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि परिमल संगा हूंटार बाजार से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान खूंटी की ओर से तेज रफ्तार में आ रही इंडियन ऑयल की तेल टैंकर ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भयावह थी कि टैंकर युवक और बाइक को करीब 50 फीट तक घसीटते हुए ले गई। हादसे में परिमल संगा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय लोग घटनास्थल पर जुट गए। लोगों ने एक व्यक्ति को पकड़ लिया और उसे टैंकर चालक बताया, हालांकि वह खुद को चालक मानने से इनकार करता रहा। हादसे से नाराज लोगों ने खूंटी-रांची मुख्य मार्ग को जाम कर दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की। बताया जा रहा है कि परिमल संगा के पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। अब जवान बेटे की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बिजली-पानी संकट को लेकर भाजपा का आक्रोश मार्च, समाहरणालय के पास फोड़ा घड़ा

खूंटी: बिजली और पानी की समस्या को लेकर भारतीय जनता पार्टी खूंटी जिला इकाई की ओर से बुधवार को कचहरी मैदान से जिला समाहरणालय तक आक्रोश मार्च निकाला गया। मार्च का नेतृत्व भाजपा जिला अध्यक्ष आनंद कुमार ने किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, महिला मोर्चा सदस्य एवं आम जनता शामिल हुई।

आक्रोश मार्च में पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र राय, पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, प्रदेश उपाध्यक्ष मुनेश्वर साहू तथा तोरपा के पूर्व विधायक कोच मुंडा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ता हाथों में पार्टी का झंडा और मांगों से जुड़े पोस्टर लेकर नारेबाजी करते हुए आगे बढ़े। वहीं महिला कार्यकताओं ने सिर पर घड़ा लेकर विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। समाहरणालय गेट के समीप कार्यकताओं ने प्रतीकात्मक विरोध जताते हुए घड़ा फोड़कर राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सभा को संबोधित करते हुए रविंद्र राय ने कहा कि भाजपा शासनकाल में बनी पानी टंकियों में अब तक पाइपलाइन नहीं लग सकी है, जिसके कारण जनता पेयजल संकट से जूझ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन योजना को राज्य सरकार सही तरीके से लागू करने में विफल रही है। वहीं नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि राज्य सरकार पानी और बिजली व्यवस्था संभालने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली आपूर्ति व्यवस्था अव्यवस्थित है तथा स्मार्ट मीटर के माध्यम से आम नागरिकों से मनमाना बिजली बिल वसूला जा रहा है। प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय ने कहा कि राज्य सरकार निकम्मी साबित हो चुकी है और चारों ओर पानी एवं बिजली की समस्या से लोग परेशान हैं।

आक्रोश रैली में नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी, वार्ड सदस्य कविता वर्मा, जूही, प्रियंका टोपनो, जिला उपाध्यक्ष कैलाश राम, जगन्नाथ मुंडा, संतोष त्रिपाठी, गन्दौरी गुड़िया, जिला महामंत्री निखिल कंडुलना, रूपेश जायसवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष काशीनाथ महतो, जिला मंत्री गोपाल स्वर्णकार, प्रियंक भगत तथा मंडल अध्यक्ष सुबोध कुमार गुप्ता, सुधीर सिंह, किशोर बड़ाइक, मुस्कू स्वासी, ज्ञान रंजन सिंह, मुचीराय मुंडा, रुक्मिला सारू, आशीष कुमार, विजय राम, महावीर राम और संजय साहू सहित कई वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रखंड व अंचल कार्यालयों में जन सुनवाई, आमजनों की समस्याओं का हुआ त्वरित निष्पादन

संवाददाता

खूंटी : उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया के निदेर्शानुसार मंगलवार को जिले के सभी प्रखंड-सह-अंचल कार्यालयों में लोक शिकायत निवारण कार्यक्रम (जन सुनवाई) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं आमजनों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी तथा संबंधित थाना प्रभारी के समक्ष रखीं।

जन सुनवाई के दौरान प्राप्त विभिन्न शिकायतों एवं समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। कई मामलों में तत्काल समाधान सुनिश्चित किया गया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

प्रशासन की ओर से बताया गया कि जन सुनवाई कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजनों को स्थानीय स्तर पर ही सुलभ, पारदर्शी एवं प्रभावी मंच उपलब्ध कराना है, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए जिला मुख्यालय तक नहीं आना पड़े और त्वरित निवारण सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम में विधि-व्यवस्था एवं अन्य मामलों के त्वरित समाधान के लिए संबंधित थाना प्रभारियों की उपस्थिति भी सुनिश्चित की गई, जिससे शिकायतों के निष्पादन में बेहतर समन्वय बना रहा। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जन सुनवाई में प्राप्त शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें तथा संबंधित प्रतिवेदन समय पर उपलब्ध कराएं, ताकि निगरानी प्रक्रिया प्रभावी बनी रहे। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक मंगलवार को प्रखंड-सह-अंचल कार्यालयों में तथा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को पूर्वाह्न 11 बजे से समाहरणालय, खूंटी में जिला स्तरीय जन सुनवाई कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है।

खूंटी में चोरों के हौसले बुलंद, एक ही शोरूम को दूसरी बार बनाया निशाना

सीसीटीवी में कैद होने के बाद भी बेखौफ चोरों ने फिर दिया चोरी की घटना को अंजाम, पुलिस अब तक खाली हाथ

संवाददाता

खूंटी : जिले में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चोर इतने बेखौफ हो चुके हैं कि सीसीटीवी कैमरे में कैद होने के बावजूद दोबारा उसी दुकान को निशाना बना रहे हैं। ताजा मामला खूंटी थाना क्षेत्र के पिपरा टोली स्थित एक बजाज बाइक शोरूम का है, जहां बीती रात चोरों ने फिर से चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार मंगलवार देर रात चोर शोरूम के वर्कशॉप का एल्बेस्टर तोड़कर अंदर घुसे। इसके बाद उन्होंने कैश काउंटर को तोड़कर लगभग 70 हजार रुपये नगद, 10 हेलमेट समेत कई अन्य सामान चोरी कर लिया। चोरी के बाद चोर शोरूम के पिछले दरवाजे को तोड़कर फरार हो गए। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। शोरूम

संचालक मितेश कुमार ने बताया कि उनके शोरूम में यह दूसरी बार चोरी हुई है। इससे पहले बीते धनतेरस की रात भी चोरों ने इसी तरह दुकान में घुसकर ढाई लाख रुपये नगद, एक लैपटॉप, एक एलसीडी और दर्जनभर हेलमेट समेत कई सामान चोरी कर लिया था। उस घटना में लगभग साढ़े तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ था। उस समय भी चोरी की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी और फुटेज पुलिस को सौंपा गया था, लेकिन अब तक किसी भी चोर की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। शोरूम संचालक ने आशंका जताई है कि इस बार भी वही चोर गिरोह घटना में शामिल हो सकता है जिसने पहले चोरी की थी। उन्होंने कहा कि लगातार चोरी की घटनाओं के बावजूद पुलिस की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं होने से अपराधियों का मनोबल बढ़ता जा रहा है।

इधर स्थानीय लोगों में भी पुलिस की निष्क्रियता को लेकर नाराजगी है। लोगों का कहना है कि शहर में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन पुलिस अब तक किसी बड़े चोर गिरोह का खुलासा नहीं कर पाई है। यही कारण है कि चोर खुलेआम पुलिस को चुनौती देते हुए एक के बाद एक वारदात को अंजाम दे रहे हैं। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है, हालांकि समाचार लिखे जाने तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची थी। इलाके के व्यवसायियों में दहशत का माहौल है और उन्होंने पुलिस प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है।

जनता दरबार में विभिन्न मामलों की सुनवाई, त्वरित निष्पादन के निर्देश

चतरा : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को आयोजित जनता दरबार में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त रवि आनंद ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे आमजनों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान लोगों ने भूमि विवाद, पेयजल, आवास, मनरेगा, पेंशन, विद्युत, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।उपायुक्त ने प्राप्त आवेदनों का गंभीरतापूर्वक अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को मामलों के त्वरित एवं नियमानुसार निष्पादन का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आमजनों की समस्याओं के समाधान में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए तथा प्रत्येक मामले में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।ज्ञात हो कि जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे से अपराह्न 12:30 बजे तक समाहरणालय परिसर में नियमित रूप से जनता दरबार आयोजित किया जाता है, जिसमें आमजन अपनी समस्याएं एवं शिकायतें प्रस्तुत कर सकते हैं।

चतरा की संघरी घाटी में काल बनी रफ्तार

ब्रेक फेल होने से दो ट्रकों में भीषण भिड़ंत, बक्सर के चालक और उपचालक की दर्दनाक मौत

संवाददाता

चतरा : जिले की संघरी घाटी एक बार फिर मौत की घाटी साबित हुई है। यहाँ एक भीषण सड़क हादसे में दो भारी ट्रकों के बीच हुई जोरदार टक्कर में चालक और उपचालक की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा इतना खौफनाक था कि पीछे से टक्कर मारने वाले ट्रक का केबिन पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला है। चतरा-गयाजी मार्ग पर स्थित संघरी घाटी में मंगलवार की देर रात को उस वक्त चीख-पुकार मच गई, जब आयरन (सरिया) लदे दो ट्रक आपस में टकरा गए। जानकारी के अनुसार, दोनों ट्रक पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर से लोहा लादकर बिहार के बक्सर और उत्तर प्रदेश के बलिया की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों ट्रक घाटी से नीचे उतर रहे थे, तभी पीछे चल रहे ट्रक का अचानक ब्रेक फेल हो गया। ब्रेक फेल होने के कारण ढलान पर ट्रक की रफ्तार बेकाबू हो गई और उसने अपने आगे चल रहे ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आगे वाला ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर ही पलट गया, जबकि पीछे वाले ट्रक का अगला हिस्सा (केबिन) बुरी तरह पिचक गया। केबिन के भीतर बैठे चालक और उपचालक को संभलने का मौका तक नहीं मिला और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद घंटों तक मृतकों की पहचान को लेकर सस्पेंस बना रहा, लेकिन पुलिस की जांच और परिजनों के पहुँचने के बाद स्थिति स्पष्ट हुई। मृतक चालक की पहचान बैजू कुमार के रूप में हुई है, जो बिहार के बक्सर जिला अंतर्गत डुमरांव थाना क्षेत्र के कुशलपुर गांव का रहने वाला था। वहीं, उपचालक की पहचान सचिन कुमार के रूप में हुई है, जो बक्सर जिले के ही पौनी गांव का निवासी था। मृतक चालक के भाई विमलेश यादव ने बताया कि ये लोग दुगार्पुर से आयरन लोड कर यूपी के बलिया के लिए निकले थे। उन्हें क्या पता था कि संघरी घाटी की ढलान उनके जीवन की अंतिम यात्रा साबित होगी। हादसे की सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचे। पुलिस ने क्रेन और स्थानीय लोगों की मदद से घंटों की मशक्कत के बाद केबिन में फंसे शवों को बाहर निकाला। सदर थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया, हमें सूचना मिली थी कि संघरी घाटी में दो ट्रकों के बीच भिड़ंत हुई है। मौके पर पहुँचकर देखा गया कि चालक और उपचालक की मौत हो चुकी थी। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया गया है। वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात सुचारू कर दिया गया है और आगे की कानूनी कार्यवाही की जा रही है।संघरी घाटी में लगातार हो रहे ये हादसे प्रशासन के दावों और सड़क सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े करते हैं। फिलहाल, बक्सर में मृतकों के घरों में मातम पसरा हुआ है और परिजन शवों को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने की प्रक्रिया में जुटे हैं।

अफीम और हथियार के साथ तीन अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता

खूंटी: पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर एनडीपीएस थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 426 ग्राम अवैध अफीम, एक 9 एमएम पिस्टल, दो जिंदा गोली, एक मोटरसाइकिल और चार मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक खूंटी ऋषभ गर्ग को सूचना मिली थी कि चिकोर-हेसाहातु मुख्य मार्ग पर मोटरसाइकिल से तीन युवक अवैध हथियार और अफीम लेकर आ रहे हैं। सूचना के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक के नेतृत्व में छापामारी टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने चिकोर-हेसाहातु मुख्य मार्ग पर वाहन जांच शुरू की। इसी दौरान डोकाड गांव की ओर से एक मोटरसाइकिल आती दिखाई दी, जिस पर तीन युवक सवार थे। पुलिस चेकिंग देखकर तीनों बाइक छोड़कर भागने लगे, लेकिन सशस्त्र बल की मदद से उन्हें पकड़ लिया गया।

तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके पास से 426 ग्राम अवैध अफीम, एक 9 एमएम पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और चार मोबाइल फोन बरामद किया। पूछताछ में आरोपियों ने अफीम खरीद-बिक्री में संलिप्त होने की बात स्वीकार की है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान धनिश लोहरा उर्फ हॉनी, योगेन्द्र साहु उर्फ जोगी और राजेश कुमार महतो उर्फ कल्लू के रूप में हुई है।

खूंटी में फिर बेलगाम ऑयल टैंकर का कहर,बाजार टांड़ में टोटो को मारी टक्कर, कई यात्री घायल

खूंटी : जिला में मंगलवार को खूंटी में सड़क हादसों का सिलसिला लगातार जारी रहा। एक ही दिन इंडियन ऑयल टैंकरों से जुड़ी दो बड़ी दुर्घटनाओं ने लोगों में दहशत पैदा कर दी। पहली घटना में एक युवक की मौत हो गई, वहीं दूसरी घटना खूंटी बाजार टांड़ में हुई जहां तेज रफ्तार तेल टैंकर ने एक टोटो रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे कई यात्री घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इंडियन ऑयल का टैंकर संख्या खल्र-02-इऋ-8798 खूंटी ऑयल फिल्ट्रेशन प्लांट से तेल लेकर रांची की ओर जा रहा था। इसी दौरान बाजार टांड़ के पास यात्रियों से भरे टोटो रिक्शा खल्र-01-ऋछ-1917 को साइड से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि टोटो सड़क किनारे पलट गया।

हादसे में टोटो चालक सहित उसमें सवार कई महिलाएं घायल हो गईं। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अन्य वाहनों के जरिए इलाज के लिए खूंटी सदर अस्पताल भेजा गया। दुर्घटना में टोटो रिक्शा भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही खूंटी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी लेते हुए जांच शुरू कर दी। हादसे के बाद कुछ देर के लिए बाजार टांड़ क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि खूंटी ऑयल फिल्ट्रेशन प्लांट से निकलने वाले भारी तेल टैंकर तेज रफ्तार में चलते हैं, जिससे आए दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं होती रहती हैं। मंगलवार को हुई दो घटनाओं ने एक बार फिर प्रशासन और ट्रांसपोर्ट विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

परिवहन सुरक्षा एवं मोटरवाहन अधिनियम के अनुपालन को लेकर बैठक आयोजित

चतरा : सिमरिया के प्रभारी अनुमण्डल पदाधिकारी सह जिला परिवहन पदाधिकारी माहेश्वरी प्रसाद की अध्यक्षता में मंगलवार को अनुमंडल कार्यालय सभागार में सभी ट्रांसपोर्टरों एवं एनटीपीसी /सीसीएल के परियोजना प्रमुख, महाप्रबंधक तथा उनके प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिवहन व्यवस्था, सड़क सुरक्षा एवं मोटरवाहन अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में विभागीय परिपत्र के आलोक में मोटरवाहन अधिनियम, 1988 एवं मोटर परिवहन कर्मकार अधिनियम, 1961 के तहत निर्धारित प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बताया गया कि जिन परिवहन वाहनों का प्रतिदिन लगातार परिचालन 06 घंटे से अधिक हो, उनमें दो वाहन चालकों की व्यवस्था अनिवार्य होगी। वहीं 500 किलोमीटर से अधिक लंबी दूरी की यात्रा में प्रतिदिन अधिकतम 10 घंटे तथा प्रति सप्ताह 54 घंटे तक परिचालन की अनुमति होगी।वाहन चालकों को ड्यूटी समाप्ति के उपरांत अगली ड्यूटी प्रारंभ करने से पूर्व लगातार 09 घंटे का विश्राम सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त सभी ट्रांसपोर्टरों को सड़क सुरक्षा मानकों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा के अंदर वाहन परिचालन कराने एवं वाहन चालकों द्वारा किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करने हेतु सख्त निर्देश दिया गया।बैठक में वाहन चालकों को अपने साथ वैध ड्राइविंग लाइसेंस रखने तथा सभी ट्रांसपोर्टरों को वाहन परिचालन, चालक व्यवस्था एवं निर्धारित मानकों के अनुपालन से संबंधित प्रमाण-पत्र समर्पित करने का निर्देश दिया गया।साथ ही सभी पीएसयूएस के प्रमुखों से वाहन चालकों के उन्मुखीकरण हेतु कार्यशाला आयोजित करने का अनुरोध किया गया। बैठक के दौरान सीसीएल आम्रपाली प्रबंधन को पूर्व में उपायुक्त, चतरा द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में चौकीदार की व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया।बैठक में विभिन्न ट्रांसपोर्टर, एनटीपीसी /सीसीएल के अधिकारी एवं संबंधित प्रतिनिधि उपस्थित थे।

रांची में करोड़ों की जमीन घोटाले की जांच अब एसीबी करेगी, हाईकोर्ट के निर्देश के बाद कार्रवाई तेज

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची के नामकुम अंचल क्षेत्र स्थित डुंडुल इलाके में करोड़ों रुपये मूल्य की जमीन से जुड़े कथित घोटाले की जांच अब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) करेगी। झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश के बाद एसीबी ने मामले में कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस मामले में जमीन के दस्तावेजों में कथित हेराफेरी, गलत तरीके से दाखिल-खारिज करने और महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेजों के गायब होने जैसे गंभीर आरोप सामने आए हैं।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित पक्ष ने जमीन से संबंधित अभिप्रमाणित दस्तावेजों की मांग नामकुम अंचल कार्यालय से की थी। आरोप है कि संबंधित अधिकारी और कर्मचारी लगातार टालमटोल करते रहे और दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के समक्ष यह तथ्य सामने आया कि रिकॉर्ड में कई अनियमितताएं हैं और जमीन से जुड़े कागजातों में गड़बड़ी की आशंका है।

कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि किसी बड़े घोटाले को छिपाने की कोशिश की गई है। अदालत ने यह भी माना कि सरकारी रिकॉर्ड के साथ छेड़छाड़ और दस्तावेजों के गायब होने की घटना प्रशासनिक लापरवाही से कहीं अधिक गंभीर हो सकती है। इसके बाद अदालत ने एसीबी को पूरे मामले की जांच करने का निर्देश दिया।

बताया जा रहा है कि जांच के दायरे में अंचल कार्यालय के कई अधिकारी और कर्मचारी आ सकते हैं। एसीबी यह पता लगाएगी कि जमीन का दाखिल-खारिज किन परिस्थितियों में किया गया, दस्तावेजों में किस स्तर पर बदलाव किए गए और सरकारी रिकॉर्ड कैसे गायब हुए। साथ ही यह भी जांच होगी कि कहीं इसमें किसी बड़े जमीन माफिया गिरोह या प्रभावशाली लोगों की भूमिका तो नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि डुंडुल और आसपास के क्षेत्रों में जमीन की कीमत तेजी से बढ़ी है, जिसके कारण फर्जी दस्तावेजों और अवैध खरीद-बिक्री के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे में हाईकोर्ट के हस्तक्षेप और एसीबी जांच से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की उम्मीद बढ़ गई है। फिलहाल एसीबी प्रारंभिक स्तर पर दस्तावेजों का संग्रह और संबंधित अधिकारियों से पूछताछ की तैयारी कर रही है। आने वाले दिनों में इस मामले में कई बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

अरगोड़ा चौक के पास बस पर बाइक सवार अपराधियों ने की फायरिंग

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में अपराधियों का मनोबल लगातार बढ़ता नजर आ रहा है। मंगलवार देर रात अरगोड़ा चौक के पास एक बस पर बाइक सवार तीन अपराधियों ने फायरिंग कर दी। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि पुलिस की तत्परता से एक अपराधी को मौके पर ही हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि दो अन्य अपराधी भागने में सफल रहे।

ड्राइवर से कहासुनी के बाद चली गोली : जानकारी के अनुसार अरगोड़ा चौक के पास जीवन ज्योति बस खड़ी थी। इसी दौरान बाइक पर सवार तीन युवक बस के आसपास आगे-पीछे घूमने लगे। बस चालक ने बताया कि युवकों की गतिविधि संदिग्ध लग रही थी, जिस पर उसने उन्हें हटने के लिए कहा। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। कहासुनी के दौरान एक युवक ने अचानक पिस्टल निकाला और बस की ओर फायरिंग कर दी।

गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी और कोई यात्री घायल नहीं हुआ।

पुलिस ने पीछा कर पकड़ा अपराधी : फायरिंग की आवाज सुनते ही आसपास गश्त कर रही पीसीआर और पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। पुलिस को देखकर तीनों अपराधी भागने लगे। इसके बाद पुलिस ने उनका पीछा किया और एक अपराधी को दौड़ाकर पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी के पास से एक अवैध हथियार भी बरामद किया गया है।

सिटी एसपी भी पहुंचे मौके पर : घटना की सूचना मिलते ही सिटी एसपी पारस राणा भी मौके पर पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

दो फरार अपराधियों की तलाश जारी : पुलिस गिरफ्तार अपराधी से पूछताछ कर रही है। पूछताछ में उसके दो साथियों के बारे में जानकारी मिली है। इसके आधार पर पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर रही है। अरगोड़ा थाना प्रभारी अनिल तिवारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

इलाके में दहशत, सुरक्षा बढ़ाई गई : फायरिंग की घटना के बाद अरगोड़ा चौक और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि देर रात अपराधियों का इस तरह खुलेआम हथियार लेकर घूमना चिंता का विषय है। घटना के बाद पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है। फिलहाल पुलिस फरार अपराधियों की तलाश में जुटी हुई है और जल्द गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

आयुष ने देशहित के मुद्दों कोप्रधानमंत्री के समक्ष रखा

रांचीः झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के रांची जिला पूर्व सोशल मीडिया सदस्य आयुष राज वर्मा ने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि, नागरिक प्राथमिकता विषय को लेकर देशहित एवं जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रधानमंत्री के समक्ष रखा गया है।

उन्होंने कहा कि पार्टी ने देश की वर्तमान आर्थिक, सामाजिक एवं जनसरोकारों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार से आम नागरिकों, किसानों, छात्रों, मजदूरों एवं मध्यम वर्ग के हित में प्राथमिकता के आधार पर निर्णय लेने की मांग की है। आयुष राज वर्मा ने बताया कि प्रमुख मांगों में विदेश यात्राओं एवं राजनीतिक रैलियों पर सीमित अवधि तक रोक लगाने, कॉपोरेट ऋण माफी बंद करने, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने तथा कृषि उत्पादों पर एमएसपी लागू करने जैसे मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता वर्तमान में महंगाई, बेरोजगारी एवं आर्थिक असमानता जैसी समस्याओं से जूझ रही है। ऐसे समय में सरकार को जनभावनाओं का सम्मान करते हुए राष्ट्रहित में ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

चतरा में पेट्रोल संकट गहराया, अधिकांश पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल खत्म का लगा बोर्ड

चतरा : जिले में पेट्रोल की किल्लत धीरे-धीरे गंभीर रूप लेती जा रही है। शहर के एक दो को छोड़कर लगभग सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल उपलब्ध नहीं होने के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुबह से ही लोग पेट्रोल पंपों का चक्कर लगाते रहे, लेकिन अधिकांश जगहों पर ह्लपेट्रोल खत्म हैह्व का बोर्ड लगा मिला। हालांकि राहत की बात यह है कि फिलहाल डीजल की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है।पेट्रोल नहीं मिलने से खासकर बाइक और निजी वाहन चालकों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। कई लोगों को आवश्यक कार्य छोड़कर वापस लौटना पड़ा। वहीं कुछ लोग दूसरे क्षेत्रों के पेट्रोल पंपों की ओर रुख कर रहे हैं। पेट्रोल पंप संचालकों के अनुसार आपूर्ति बाधित होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। बताया जा रहा है कि तेल टैंकर समय पर नहीं पहुंच पाने से स्टॉक समाप्त हो गया है।शहरवासियों का कहना है कि यदि जल्द आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। लोगों ने प्रशासन और तेल कंपनियों से जल्द पेट्रोल उपलब्ध कराने की मांग की है ताकि आमजन को राहत मिल सके।

रांची : खनन कानूनों के कथित दुरुपयोग मामले में हाईकोर्ट सख्त, सरकार से मांगा समाधान

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : झारखंड में खनन कानूनों के तहत प्रशासनिक शक्तियों के कथित दुरुपयोग से जुड़े मामले में दाखिल याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त समय मांगे जाने पर अदालत ने कड़ी नाराजगी जताई और स्पष्ट कहा कि सरकार को मामले का ठोस समाधान लेकर अदालत के समक्ष आना चाहिए था।

यह याचिका अशोक सिंह द्वारा दायर की गई है, जिसमें खनन कानूनों के तहत प्रशासनिक शक्तियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार को केवल समय मांगने के बजाय मामले के समाधान की दिशा में पहल करनी चाहिए। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को अंतिम रूप से एक माह का समय दिया है। साथ ही मुख्य सचिव को भी मामले की निगरानी और समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। अदालत ने कहा कि यह मामला गंभीर प्रकृति का है और इसमें प्रशासनिक जवाबदेही तय होना आवश्यक है।

कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 17 जून निर्धारित की है। उम्मीद की जा रही है कि अगली सुनवाई में राज्य सरकार अपनी ओर से विस्तृत जवाब और समाधान प्रस्तुत करेगी। बताया जा रहा है कि इससे पहले इस मामले में लातेहार के तत्कालीन उपायुक्त अबु इमरान सहित अन्य अधिकारियों की भूमिका को लेकर भी चर्चा हुई थी। कुछ अधिकारियों की कोर्ट में वर्चुअल उपस्थिति भी दर्ज कराई गई थी। मामले को लेकर प्रशासनिक हलकों में भी हलचल तेज है। इस पूरे प्रकरण को राज्य में खनन प्रशासन और कानून के क्रियान्वयन से जुड़े एक अहम मामले के रूप में देखा जा रहा है। अब निगाहें अगली सुनवाई पर टिकी हैं, जहां अदालत सरकार की कार्रवाई और जवाब से संतुष्ट होती है या नहीं, यह महत्वपूर्ण होगा।

हाथियों के संरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल

रांची : हाथियों के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई है. यह याचिका सेव एलीफेंट फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से दायर की गई है. इस याचिका में केंद्र सरकार के साथ-साथ झारखंड सरकार, बंगाल सरकार, उड़ीसा सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार को भी पार्टी बनाया गया है। याचिका में कहा गया है कि ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल के जंगल आपस में जुड़े हैं. एशियाई हाथी भोजन और पानी की तलाश में लगातार इन राज्यों के बीच आवाजाही करते हैं. इसलिए हाथियों के इस पारंपरिक मार्ग को सुरक्षित करने के लिए झारखंड की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है. लेकिन झारखंड, छत्तीसगढ़, बंगाल और उड़ीसा लंबे समय से मानव-हाथी संघर्ष का दंश झेल रहा है.

जंगलों की कटाई और बढ़ते खनन के कारण हाथी आबादी वाले क्षेत्रों का रुख कर रहे हैं. इतना ही नहीं बिजली के तारों की चपेट में आने, रेल दुर्घटनाओं और शिकार के कारण हाथियों की मौत के मामले लगातार सामने आते रहे हैं. याचिका में इन अस्वाभाविक मौतों को रोकने के लिए सख्त नीतियां बनाने की मांग की गई है. इसलिए अदालत से एक व्यापक एक्शन प्लान बनाने का आग्रह किया है. इसके लिए झारखंड के वन विभाग और प्रशासनिक तंत्र को ओडिशा एवं अन्य सीमावर्ती राज्यों के साथ मिलकर एक साझा और एकीकृत नीति पर काम करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

एनटीए बना भ्रष्टाचार का अड्डा, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान दें इस्तीफा : राजद

रांची : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने एनईटी परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राजद के प्रदेश महासचिव मनोज कुमार पाण्डेय ने कहा कि एनटीए देश के होनहार छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है और इसकी नैतिक जिम्मेदारी केंद्र सरकार एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की है। मनोज कुमार पाण्डेय ने बयान जारी करते हुए कहा कि एनईटी परीक्षा पेपर लीक की घटना लाखों मेहनती छात्रों के साथ घोर अन्याय है। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राएं वर्षों मेहनत और ईमानदारी से परीक्षा की तैयारी करते हैं, लेकिन बार-बार पेपर लीक होने से उनके भविष्य पर संकट खड़ा हो जाता है और मानसिक दबाव बढ़ता है।

झारखंड की पुष्पा उरांव और बिहार की कंचन को मिला सीआईआई फाउंडेशन वुमन एक्सेम्पलर अवॉर्ड 2026

रांचीः नई दिल्ली में आयोजित सीआईआई फाउंडेशन के एनुअल बिजनेस समिट 2026 में झारखंड की पुष्पा उरांव और बिहार की कंचन झा को महिला नेतृत्व और सामुदायिक विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दोनों को सीआईआई फाउंडेशन वुमन एक्सेम्पलर अवॉर्ड 2026 के तहत सम्मानित किया।

340 से अधिक नामांकनों में से चयनित 4 विजेताओं में शामिल पुष्पा उरांव को माइक्रो-एंटरप्राइज श्रेणी में उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मान मिला। लोहरदगा की रहने वाली पुष्पा उरांव ने स्वयं सहायता समूह से अपनी यात्रा शुरू की थी। आज उनके प्रयासों से 275 स्वयं सहायता समूह मजबूत हुए हैं, जिनसे 3,500 से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं।

उन्होंने करीब 1,200 महिला किसानों को फॉर्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन से जोड़कर बाजार तक बेहतर पहुंच दिलाई और खेती की लागत कम करने में मदद की। उनके प्रयासों से महिला किसानों की आय में 10,000 से 25,000 तक की वृद्धि हुई है। वहीं, बिहार की कंचन झा को ग्रामीण महिलाओं के नेतृत्व और सामुदायिक सशक्तिकरण की दिशा में किए गए कार्यों के लिए सराहा गया। उन्होंने ग्रामीण बिहार से निकलकर महिलाओं को संगठित करने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने और समुदाय आधारित बदलाव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सीआईआई फाउंडेशन वुमन एक्सेम्पलर अवॉर्ड उन महिलाओं को सम्मानित करता है जो वंचित समुदायों में सामाजिक परिवर्तन की नई मिसाल कायम कर रही हैं। चयनित महिलाओं को ट्रॉफी, नकद पुरस्कार, क्षमता निर्माण सहयोग और देशभर की 150 से अधिक महिला परिवर्तनकताओं के नेटवर्क से जुड़ने का अवसर दिया जाता है।

लोकेश चौधरी ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत की गुहार लगाई

रांची : अग्रवाल बंधुओ के हत्यारे लोकेश चौधरी ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी जमानत के लिए गुहार लगाई है। लोकेश चौधरी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की है।लोकेश चौधरी को राँची सिविल कोर्ट ने वर्ष 2023 में 30 जून को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। तब से वह जेल में बंद है।

निचली अदालत से लेकर हाईकोर्ट तक खारिज हुई राहत : रांची सिविल कोर्ट के फैसले के खिलाफ लोकेश ने हाईकोर्ट में अपील याचिका भी दाखिल की थी। लेकिन हाईकोर्ट ने उसे राहत देने से इनकार करते हुए अपील याचिका खारिज कर दी थी।

उत्तर पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियंता (निर्माण-IV), उत्तर पश्चिमी रेलवे, निर्माण भवन जगतपुरा, जयपुर-302017 (राजस्थान) निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र पर ई-निविदा (दो पैकेट प्रणाली) आमंत्रित करता है। अंतिम तिथि/समय 29.05.2026/15.30 है- 1. निविदा संख्या : NWRSCCIVIL-102140551R 2. कार्य का नाम : उत्तर पश्चिम रेलवे के सवाई माधोपुर बाईपास लाइन परियोजना के अंतर्गत, सवाई माधोपुर- ईसरदा स्टेशनो के बीच 0.00 किमी से 40.70 किमी तक रेल पटरी पर 65 मिमी मशीन से चुगले हुए पत्थर के गिट्टी की शेष आपूर्ति एवं ढेर लगाना 3. निविदा का तरीका : दो पैकेट प्रणाली 4. अनुमानित परियोजना लागत : Rs. 31,65,24,391.31 5. बोली सुरक्षा राशि : Rs. 63,30,500.00 6. पूर्णता अवधि : 12 (बारह) माह 7. निविदा बंद होने की तिथि और समय : दिनांक 29.05.2026 को दोपहर 15.30 बजे (भारतीय समयानुसार) 8. वेबसाइट का विवरण जहां ई-टेंडर की पूरी जानकारी देखी जा सकती है : www.ireps.gov.in नोटः कोई भी मैन्युअल टेन्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा।

680-CO/26

NWRailways NWRailways_

कविताओं व गीत-गजलों की प्रस्तुति से सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देती हैं संपदा ठाकुर

खुल के रो लीजिए दिल बहल जाएगा, दर्द अश्कों की सूरत में ढल जाएगा

संपदा ठाकुर का जीवन वृत्त

संपदा ठाकुर का जन्म बिहार के मुंगेर जिलांतर्गत ग्राम रतेठा (खड़गपुर) में हुआ। पिता संजीव रंजन पाठक व माता सरोजनी देवी के सानिध्य में उनका पालन-पोषण हुआ। बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि संपदा ठाकुर की अभिरुचि साहित्य में रही। पढ़ाई के दौरान उनके माता-पिता साहित्य के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए हमेशा प्रोत्साहित करते रहे। उनका उत्साहवर्द्धन किया। माता सरोजनी देवी राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय रहीं। वहीं,पिता संजीव रंजन पाठक बिहार सरकार से सेवानिवृत कर्मी हैं। संपदा की प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा गांव में ही हुई। तत्पश्चात भागलपुर स्थित तिलकामांझी विश्वविद्यालय से स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की। संपदा के पति सुदेश कुमार विगत दो दशक से रांची में पत्रकारिता से जुड़े हैं। राजनीति शास्त्र से एमए व राष्ट्रीय गौरव सम्मान से सम्मानित संपदा देश के कई नामचीन कवियों के साथ मंच साझा कर चुकी हैं। इनमें कामता माखन, डॉ. भुवन मोहिनी, सुरेश अलबेला, जॉनी बैरागी सहित अन्य शामिल हैं। वह राजस्थान, हरियाणा, इंदौर, फतेहपुर, फतेहाबाद, गाजियाबाद सहित अन्य जगहों पर कविताएं व गीत-गजलों की प्रस्तुति से अपनी प्रतिभा का परचम लहरा चुकी हैं। उनकी काव्य रचनाओं में रिवीजिटिंग मुंशी जी, सृष्टि तरंग, कुसूर किसका, जीने की जिद, रूद्र प्रिया आदि हैं। मृत्युंजय और नेमतें उनकी सर्वश्रेष्ठ रचनाएं हैं। देश के विभिन्न समाचार पत्रों में उनकी कविताएं व गीत-गजल आदि प्रकाशित होते रहे हैं। संपदा की उत्कृष्ट उपाधि के लिए उन्हें ब्राह्मण योद्धा फाउंडेशन, नव जन जागरण अवार्ड, महिला शक्ति सम्मान पत्र, श्रेष्ठ रचनाकार सम्मान, काव्य रत्न सम्मान, काव्य शिरोमणि सम्मान, कोरोना योद्धा सम्मान, पुनीत अनुपम साहित्यिक सम्मान और राष्ट्रीय गौरव सम्मान से भी नवाजा गया है।

कविताएं व गीत-गजल आदि महज शब्दों की जादूगरी ही नहीं, बल्कि यह लोगों की नब्ज टटोलते हुए सामाजिक परिवर्तन व सशक्तिकरण का मार्ग भी प्रशस्त करती है।

यह समाज में व्याप्त कुरीतियों, अंधविश्वास और नाना प्रकार की विसंगतियों को दूर करने का माद्दा भी रखती है। ऐसा मानना है झारखंड की राजधानी रांची के न्यू एजी कॉलोनी,कडरू निवासी श्रृंगार रस की प्रख्यात कवयित्री संपदा ठाकुर का। श्रीमती ठाकुर रचित कविताएं दिल को छू लेती है।

उनका मानना है कि कविताओं व गीत-गजलों की संवेदनशीलता का व्यक्तिगत व सामाजिक प्रभाव होता है। लोग अक्सर अपना दर्द, प्यार, गुस्सा, अकेलापन आदि शब्दों में नहीं कह पाते। कविताएं व गीत-गजल वो भाषा देती है। इससे व्यक्ति अकेला महसूस नहीं करता। काफी हद तक उसकी पीड़ा दूर होती है। संवेदनशील गीत और कविताएं लोगों को ₹दूसरे₹ की जगह खड़े होने पर विवश करती हैं।निराला की ₹भिक्षुक₹, नागार्जुन की ₹अकाल और उसके बाद₹, या फैज की ₹हम देखेंगे₹ ये सब शोषण, गरीबी, और अन्याय को सिर्फ आंकड़ा नहीं रहने देतीं। वो उसे मानवीय चेहरे देती हैं। इससे समाज में सहानुभूति बढ़ती है। जब लोग किसी किसान, मजदूर या बेघर की पीड़ा को गीत में सुनते हैं, तो उनके प्रति नजरिया बदलता है।

फैज, साहिर, कैफी आजमी ने तानाशाही, युद्ध, सांप्रदायिकता के खिलाफ गजल के जरिए बात की। वहीं, लोकगीत और भक्ति गीत सांस्कृतिक पहचान बचाते हैं। रवींद्रनाथ टैगोर के गीतों ने बंगाल पुनर्जागरण को हवा दी, और भारत के राष्ट्रगान ने एकता का बिंब बनाया। संवेदनशील कला सांस्कृतिक स्मृति भी बनाती है। जो बात इतिहास की किताबें भूल जाती हैं, वो गीत-गजलें याद करा देती हैं। संपदा ठाकुर कहतीं हैं कि टूटे हुए इंसान को जोड़ना, और सोए हुए समाज को जगाना कविताओं के माध्यम से संभव है। कविताएं सामाजिक समरसता और सशक्तिकरण में असरदार होती हैं। वो तर्क से पहले दिल को छूती हैं। जब दिल बदलता है, तो व्यवहार और समाज भी बदलता है। भाषा,जाति, धर्म से परे दुख,प्यार, उम्मीद सबके एक जैसे होते हैं। कबीर, रहीम, नजीर अकबराबादी की कविताओं ने हिंदू-मुस्लिम, ऊंच-नीच के भेद को पिघलाया। जिंदगी को कविताएं मानवीय चेहरे देती है। जब पाठक या श्रोता उसकी जगह खुद को रखता है, तो पूर्वाग्रह टूटते हैं। निराला की ह्लभिक्षुकह्व और नागार्जुन की ह्लअकाल और उसके बादह्व यही काम करती हैं। कविताएं पहले दिल को छूती हैं। जब दिल बदलता है, तो व्यवहार और समाज भी बदलता है। जो लोग बोल नहीं पाते, कवि उनकी तरफ से बोलता है। महादेवी वर्मा, सुभद्रा कुमारी चौहान, मुक्तिबोध ने स्त्रियों, आदिवासियों, शोषितों की आवाज उठाई। रामधारी सिंह ह्यदिनकरह्न, मैथिलीशरण गुप्त, फैज अहमद फैज की कविताओं ने गुलामी, गरीबी और भेदभाव के खिलाफ आत्मसम्मान जगाया।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम-उषा कुमारी, उम्र-21 वर्ष, ऊँचाई-05 फिट, रंग-साँवला, पहनावा-सलवार सूट पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला उषा कुमारी, पिता-शिवमंडल रविदास, पता-ग्राम-मदनडीह, पो0-लावालौंग, थाना-लावालौंग, जिला-चतरा जो दिनांक-22.04.2026 को बगैर बताए कहीं चली गई जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में अरगोड़ा थाना काण्ड सं0-28/2026, दिनांक-22.04.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(mc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, हटिया, राँची। - 9431706143
थाना प्रभारी, अरगोड़ा, राँची। - 9431706170

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची

PR 379619 Police (26-27)_D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

मेरठ से सशस्त्र क्राँति का उद्घोष

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में मई 1857 को मेरठ सैन्य छावनी से आरंभ हुई सशस्त्र क्राँति पूरे देश में फैली। यद्यपि अंग्रेजों से भारत की मुक्ति के लिये इससे पहले भी सशस्त्र संघर्ष हुये किन्तु मेरठ क्राँति का स्वर पूरे देश में गूँजा और जन सामान्य भी इस संघर्ष में सहभागी बना। दासत्व के अंधकार की अवधि भारत में सबसे लंबी रही। किंतु आक्रांताओं और विदेशी शासकों के दमन के बीच भारत का स्वत्वबोध भी अक्षुण्य रहा। स्वतंत्रता के लिये सदैव संघर्ष हुआ। 1857 की इस क्रान्ति से पहले दक्षिण भारत में रानी चैनम्मा सहित पंजाब और रांची सहित देश के विभिन्न स्थानों में संघर्ष के विवरण मिलते हैं। पर 1857 की क्राँति पहला ऐसा संघर्ष था जिसका पूरे देश में विस्तार हुआ। पहले के संघर्षो में दो कमियाँ रहीं। एक तो वे स्थानीय अथवा क्षेत्रीय रहे और दूसरा संघर्ष राज सैनिकों तक ही सीमित रहा लेकिन 1857 की क्राँति में पूरा भारतीय समाज सहभागी बना। इसमें न जाति की कोई रेखा थी न धर्म की, न राजा का भेद था न सेवक का। सब कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजों को भारत से बाहर करने के अभियान में जुट गये थे। यदि रानी लक्ष्मीबाई और लखनऊ की बेगम सक्रिय हुई तो कानपुर में नृत्य गान से अपनी आजीविका कमाने वाली महिलाएँ भी सहभागी बनी। भारत के सभी धर्म, सभी वर्ग, सभी वर्ण और सभी आयु समूह के लोग इस संघर्ष में सहभागी बने। देश का कोई ऐसा कोना नहीं जहाँ इस संघर्ष की ज्वाला प्रकट न हुई हो। उन दिनों भारत में दो प्रकार की शासन व्यवस्था थी। एक तो कुछ क्षेत्र सीधे अंग्रेजों के आधीन थे। वहां उनके अधिकारी सीधा नियंत्रण रखते थे और दूसरी ओर कुछ क्षेत्र रियासतों के आधीन। रियासतों में कहने के लिये राजा या नबाब हुआ करते थे पर ये राजा नबाब सब अंग्रेजों की कठपुतली थे। हर रियासत में अंग्रेज पोलिटिकल एजेन्ट रहता था। वह अपने अनुसार इन्हें संचालित करता था। राज परिवार में कौन उत्तराधिकारी होगा यह निर्णय भी अंग्रेज करते थे। हर रियासत के लिये वसूली का एक टारगेट होता था। जो हर हालत में वसूल होता था। यह वसूली में बरती जाने वाली क्रूरता से कई लोगों की मौत भी हो जाती थी जिसे पूछने वाला भी कोई न था। अंग्रेजों के इस दबाव से पूरे देश की जनता में बहुत रोष था और जब मेरठ से क्राँति आरंभ हुई तो सबका स्वर समवेत हो गया । मेरठ से आरंभ हुई इस क्रान्ति का बीजारोपण मेरठ से बहुत दूर बंगाल की बैरकपुर छावनी से हुआ था। भारत की सैन्य छावनियों में ऐसे कारतूस आये जिनके बारे में कहा जाता था कि उनमें गाय और सुअर की चर्बी का कोड है। इन कारतूसों का उपयोग 1853 से आरंभ हुआ था। कारतूस की बनावट ऐसी थी कि इसे बंदूक में डालने के लिये कवर खोलना होता था, जिसे मुँह से खींचा जाता था। कारतूस पर गाय और सुअर की चर्बी का कोड होने की चर्चा के चलते सैनिक मुँह से खोलने से बचने लगे। सैनिकों ने अपनी बात अधिकारियों तक पहुँचाई किन्तु बात नहीं बनीं। तब मार्च 1857 में बंगाल की बैरकपुर छावनी के सैनिकों ने आवाज उठाई और सिपाही मंगल पांडे सामने आये। वे इस सैन्य छावनी की 34 वीं इन्फ्रेन्ट्री में सिपाही थे। उन्होंने अपने कुछ साथी सैनिकों से चर्चा की और संयुक्त रूप से प्रतिकार करने का आव्हान किया। उनकी बात से अनेक सैनिक सहमत तो थे पर विरोध करने का साहस न कर पा रहे थे। इन चचाओं भनक कमांडर तक पहुँची।

सैन्य कमांडर ने 29 मार्च 1857 को परेड बुलाई और कारतूस लोड कर फायरिंग का आदेश दिया किन्तु सैनिकों ने आदेश मानने से इनकार कर दिया। इसपर कुछ अंग्रेज सैन्य अधिकारी परेड मैदान में ही सैनिकों के साथ दुर्व्यवहार करने लगे, पीटने लगे। इसका सिपाही मंगल पाँडे ने विरोध किया तो सार्जेंट-मेजर जेम्स ह्यूसन बंदूक लेकर उनकी ओर दौड़ा। वह समीप आता इससे पहले ही सिपाही मंगल पाडेय ने उसपर गोली चला दी लेकिन वह बच गया। जनरल जॉन हर्से ने मंगल पाँडे को बंदी बनाने का आदेश जमादार ईश्वरी प्रसाद को दिया। जमादार ईश्वरी प्रसाद ने भी आदेश मानने से इनकार कर दिया। वहाँ मौजूद सैनिकों में से कोई भी मंगल पांडे गिरफ्तार करने आगे नहीं आया। तब उस छावनी से मौजूद एक अन्य टुकड़ी के सिपाही बुलाये गये।

सैनिक शेख पलटू अपनी टोली के साथ आगे आया। मंगल पाँडे और ईश्वरी प्रसाद बंदी बना लिये गये। 6 अप्रैल उनका कोर्ट मार्शल हुआ। 8 अप्रैल को क्राँतिकारी मंगल पाँडे और 21 अप्रैल को जमादार ईश्वरी प्रसाद फांसी पर चढ़ा दिये। बटालियन के सभी सैनिकों से हथियार ले लिये गये। अंग्रेज सरकार ने यह पूरी रेजिमेंट भंग कर दी। सभी सैनिकों को बर्खास्त कर दिया गया। यह बर्खास्तगी साधारण नहीं थी। पहले परेड बुलाई, उनकी वर्दी ही नहीं सारे कपड़े उतारे गये। काफी अपमानित किया गया। शेख पलटू को पदोन्नत करके हवलदार बना दिया गया। जिस प्रकार इस इन्फेन्ट्री के सैनिकों को अपमानित किया गया था उसकी प्रतिक्रिया देशभर की छावनियों में हुई लेकिन मुखर स्वर देने का काम मेरठ छावनी से हुआ।

बंगाल की बैरकपुर छावनी में जिस 34 वीं इन्फेन्ट्री को भंग करके सैनिकों को अपमानित किया गया था उसके अधिकांश सैनिक उत्तरप्रदेश के थे। क्राँतिकारी मंगल पांडे भी उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के थे। सैनिक अपने अपने घरों को लौटे। ये समाचार छिप न सका। छावनियों में नये कारतूस को लेकर जो असंतोष था उसे सैनिकों के इस अपमान के समाचार ने हवा दी। बैरकपुर घटना पर अंग्रेज सरकार ने भी छावनियों में ₹अलर्ट₹ जारी किया। मेरठ छावनी में दोनों समाचार पहुँचे। सैनिकों के अपमान का भी और अधिकारियों को अलर्ट रहने का भी। मेरठ की यह सैन्य छावनी देश की सबसे बड़ी छावनी थी और दिल्ली का सुरक्षा कवच भी। यहाँ लगभग पांच हजार सैनिक रहा करते थे । इनमें 2357 भारतीय मूल के और 2038 सैनिक विदेशी मूल के थे। इन्हें नियंत्रित करने के लिये अंग्रेज अधिकारियों की टोली तैनात थी जिनकी सुरक्षा के लिये स्वचालित बंदूकों के साथ बारह सिपाहियों का दल सदैव सक्रिय रहता था। स्वचालित बंदूकों वाले ये सभी सैनिक विदेशी होते थे।

कारतूसों को लेकर मेरठ छावनी में भी भारी असंतोष था। इन्हें बदलने के लिये अधिकारियों से आग्रह भी किया जा चुका था पर स्थिति यथावत रही। जब बैरकपुर छावनी के घटनाक्रम के समाचार और सरकार का अलर्ट मेरठ छावनी आया तो वातावरण उफान पर आ गया। सैनिकों में कारतूस से उत्पन्न अंसतोष कम करने के लिये कमांडिंग आफीसर लेफ्टिनेंट कर्नल जॉर्ज स्मिथ ने 24 अप्रैल 1857 को परेड बुलाई और कारतूस के बारे में फैली चर्चा को केवल अफवाह बताया। सैनिकों को वह विकल्प भी समझाया गया कि यदि किसी सैनिक को यह कारतूस मुँह से नहीं खोलना है तो वह बिना मुँह लगाये कारतूस कैसे खोल सकता है। छावनी में तैनात सैनिकों को अलग-अलग टुकड़ियों में बाँटकर यह समझाइश दी जाने लगी लेकिन इसका कोई बहुत प्रभाव न पड़ा। ऐसे अभ्यास में कुछ सैनिकों ने भाग लिया और कुछ बहाना बनाकर दूर रहे।

8 मई 1857 को आयोजित ऐसी ही एक अभ्यास परेड में 90 सैनिक उपस्थित थे। इनमें से 85 ने यह कारतूस छूने से इनकार कर दिया। इन सैनिकों से हथियार ले लिये गये और बंदी बना लिया गया। 9 मई को इन बंदी सैनिकों की परेड हुई। इन सभी सैनिकों को कोर्ट मार्शल के आदेश हुये। सजायें सुना दी गई। पूरी छावनी में इस निर्णय से भारी असंतोष फैला और अगले ही दिन 10 मई को छावनी के सभी भारतीय सौनिक शस्त्र लेकर अंग्रेजों पर टूट पड़े। केवल 72 घंटे के भीतर पूरे मेरठ परिक्षेत्र में सशस्त्र क्राँति का आरंभ हो जाना सभी शोधकताओं और इतिहासकारों के लिये आश्चर्य का विषय रहा है। यह ठीक है कि अंग्रेजी सरकार द्वारा किसानों और व्यापारियों से की जानी वाली वसूली शोषण की पराकाष्ठा थी। वसूली कर्ता जो अपमान करते थे उससे जन सामान्य में बहुत असंतोष था।

जीवन की सार्थकता उसकी लंबाई नहीं, मयार्दा में निहित

> वृद्धावस्था में शरीर की कोशिकाओं का क्षरण होता है। इसी को रोकने के लिए तमाम शोध कार्य जारी हैं। इस बीच रूस से महत्वाकांक्षी सूचनाएं आ रही हैं। रूस मनुष्य शरीर की कोशिकाओं के क्षरण को रोकने पर शोध कर रहा है। सूचना के अनुसार रूस वृद्धावस्था को रोकने की शोध पर काम कर रहा है।

अमर रहने की महत्वाकांक्षा पुरानी है। पुराणों में हजारों वर्ष जीने वाले पात्रों के उल्लेख हैं। वैदिक ऋषि अमृत्व प्राप्त करने की स्तुतियां करते थे। ह्यअसतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय। मृत्योर्मा अमृतं गमय।ह्य -में अमृत्व की प्यास का उल्लेख है। आधुनिक विश्व में सभी देशों के वैज्ञानिक मनुष्य शरीर की उम्र को रोकने की योजना पर काम कर रहे हैं। वृद्धावस्था में शरीर

-हृदयनारायण दीक्षित

की कोशिकाओं का क्षरण होता है। इसी को रोकने के लिए तमाम शोध कार्य जारी हैं। इस बीच रूस से महत्वाकांक्षी सूचनाएं आ रही हैं। रूस मनुष्य शरीर की कोशिकाओं के क्षरण को रोकने पर शोध कर रहा है। सूचना के अनुसार रूस वृद्धावस्था को रोकने की शोध पर काम कर रहा है।

सितंबर 2025 में पुतिन और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने मनुष्य शरीर की उम्र 150 साल तक ले जाने की योजना पर शोध की बातें की थीं। पुतिन ने कहा था कि नियमित रूप से कोशिकाओं के क्षरण को रोक कर स्वस्थ बने रहने पर वैज्ञानिक शोध संभव हैं। रूसी वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि वे वृद्धावस्था रोकने की विश्व की पहली एंटी एजिंग वैक्सीन पर काम कर रहे हैं। वृद्धावस्था कोशिकाओं के क्षरण का ही परिणाम होता है। रूस के एक मंत्री डेनिस ने पीछे माह बताया है कि यह प्रायोजित उपचार रेज रिसेप्टर पर जोर देगा। वृद्धावस्था की स्वाभाविक प्रक्रिया को नियंत्रित कर कोशिकाओं को लंबे समय तक युवा बनाए रखा जा सकता है। उनका कहना है कि उनका लक्ष्य दुनिया की पहली जीन थेरेपी दवा बनाना है। इस परियोजना को इंस्टीट्यूट ऑफ एजिंग बायोलॉजी एंड मेडिसिन द्वारा विकसित किया जा रहा है।

रूस के उप प्रधानमंत्री ने कहा था कि रूस की योजना 2028 से 2030 के बीच एंटी एजिंग दवा का उत्पादन शुरू करने का है। बताया गया है कि तकनीक फिलहाल शोध की प्रक्रिया से गुजर रही है। इसका बजट 26 अरब डालर से भी ज्यादा है। उनका दावा है कि फिलहाल इस पर शोध जारी है। अगर यह सफल होता है तो भविष्य में वृद्धावस्था अनिवार्य प्रक्रिया नहीं रहेगी। यह नियंत्रित की जाने वाली स्थिति बन सकती है।

यह एक आश्चर्यजनक शोध की दिशा में मनुष्य जाति का पहला नियोजित अभियान होगा। मनुष्य की आयु 150 वर्ष तक ले जाने की यह महत्वाकांक्षी योजना आश्चर्यजनक है। दीघार्यु रहना-होना सामान्य बात है लेकिन पूरी आयु में स्वस्थ बने रहना वाकई बड़ी उपलब्धि होगी। ऋग्वेद में ह्यजीवेत शरदः शतम्ह्य की प्रार्थनाएं हैं। सौ साल जीने की इच्छा पर्याप्त नहीं है। इसलिए आगे कहते हैं कि हम 100 वर्ष तक स्वस्थ रहें। दीन-हीन न रहें। बहुत लोग 100 बरस या उससे ज्यादा का जीवन जीते हैं। लेकिन शरीर के क्षरण के कारण कष्ट और दुख में रहते हैं। तो क्या यह शोध मनुष्य के सभी अंगों और सोच विचार के तंत्र को स्वस्थ रखने का महत्वाकांक्षी अभियान बनेगा। इस शोध को लेकर बहुत प्रसन्न होने की आवश्यकता नहीं है। 80-90 वर्ष की आयु वाले वृद्ध परिवार की उपेक्षा के कष्ट भोगते हैं। परिजन बूढ़ों का ध्यान नहीं रखते।

इस शोध की सफलता-असफलता पर तमाम विचार हो सकते हैं। यह एक सांस्कृतिक समस्या है। दुनिया के सभी समाजों में अच्छे मानवीय संबंधों का आधार संस्कृति है। यहां जीवन को लंबा करने के प्रयास हैं। लेकिन दर्शन और विज्ञान काल की व्याख्या भी करता है। काल का पहिया घूम रहा है। हम सब काल रथ पर बैठे यात्री हैं। अथर्ववेद में भृगु ऋषि का सारवान वक्तव्य है- ह्यकालरथ पर ज्ञानी ही बैठते हैं।ह्य मैं कालरथ को देख रहा हूँ। उस रथ का घर्घर नाद भी सुनता हूँ। वह प्रतिपल हमारे सामने से ही गुजरता है। मैं हाथ उठाता हूँ। रुकने की प्रार्थना करता हूँ। वह नहीं रुकता। मेरी परवाह नहीं करता। जानता हूँ कालरथ में ज्ञानी ही बैठते हैं। हमारे लिए उस रथ में जगह नहीं हो सकती। क्या विज्ञान में काल की समस्या का कोई समाधान है? काल निर्वचन कठिन काम है।

हमारे ग्रंथों में ऋषियों की आयु 100 वर्ष बताई गई है किंतु उनका मार्ग ह्यबाहरी रसायनोंह्य का नहीं बल्कि ह्यभीतरी रूपांतरणह्य का था। प्राणायाम की विधियाँ शरीर की जैविक घड़ी को नियंत्रित करने की प्राचीन तकनीकें थीं। वैज्ञानिक शोध अब मान रहे हैं कि गहरी और लंबी सांसें हमारे जीवन-सूत्रों की रक्षा करती हैं। ऋषियों ने बिना किसी भारी-भरकम वित्तीय सहायता के, केवल अंतमुर्खी होकर उस ह्यअमृत तत्वह्य को खोज लिया था। प्राचीन भारत में ह्यकायाकल्पह्य की प्रक्रिया का वर्णन मिलता है, जहाँ विशेष जड़ी-बूटियों से वृद्ध शरीर को पुनः युवा किया जाता था। रूस का प्रयोग जहाँ अवरोधकों पर काम करता है, वहीं भारतीय पद्धति पंच तत्वों के संतुलन पर बल देती थी। यदि आधुनिक जीव-विज्ञान के साथ योग को जोड़ दिया जाए तो दीघार्यु एक पूर्ण स्वास्थ्य का मार्ग बन सकती है। लंबी आयु का अर्थ अनुभवों का विशाल भंडार भी है। यदि कोई मनीषी एक सौ पचास वर्ष जीता है तो वह शोध को नई ऊँचाई दे सकता है। लेकिन क्या मानव मस्तिष्क एक शताब्दी से अधिक की स्मृतियों का बोझ सहने के लिए तैयार है? क्या हम विस्मृति जैसे विकारों के बिना इस दीघार्यु का आनंद ले पाएंगे? अक्सर पुरानी पीढ़ी नए विचारों का विरोध करती है। ऐसे में समाज का बौद्धिक जड़त्व बढ़ सकता है। पारिवारिक रिश्तों की मयार्दा भी इससे अछूती नहीं रहेगी। वैवाहिक संबंधों के स्थायित्व पर नए प्रश्न खड़े होंगे। माता-पिता और संतान के बीच जब एक सौ वर्ष का अंतर होगा तो संवाद लगभग समाप्त हो जाएगा। हम एक ऐसे अकेलेपन के युग में प्रवेश कर सकते हैं जहाँ शरीर स्वस्थ होगा, पर मन एकाकी। संबंधों में जो ताजगी आज है, वह शायद इस दीर्घ जीवन में न बचे। मनुष्य का अस्तित्व उसके संबंधों से परिभाषित होता है। जब संबंध बोझ बनने लगें तो लंबी आयु कारावास बन जाती है। यह प्रयोग वैज्ञानिक जिज्ञासा की पराकाष्ठा है, किंतु इसे विवेक की कसौटी पर कसना अनिवार्य है। केवल आयु का बढ़ना पर्याप्त नहीं है बल्कि उसकी गुणवत्ता महत्वपूर्ण है। जैसा कि हमारा दर्शन मानता है, ह्यजीवेम शरदः शतमह्य का अर्थ केवल सौ वर्ष जीना नहीं बल्कि सौ वर्ष तक चैतन्य रहकर योगदान देना है। रूस का यह शोध यदि मनुष्य को केवल एक अमर ह्यउपभोक्ताह्य बनाता है, तो यह प्रकृति के विरुद्ध अपराध होगा। लेकिन यदि यह वृद्धों को पीड़ा से मुक्त कर उन्हें पुनः सृजनशील बनाता है तो यह विज्ञान का उपहार होगा। जीवन की सार्थकता उसकी लंबाई में नहीं, बल्कि उसकी गहराई और मयार्दा में निहित है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

सड़कों पर दम तोड़ती गायें

> आज देश के अधिकांश शहरों में सुबह का दृश्य लगभग एक जैसा होता है। दूध निकालने के बाद पशुपालक अपनी गायों को खुला छोड़ देते हैं। ये पशु फिर गलियों, बाजारों और कूड़े के ढेरों में भोजन तलाशते घूमते रहते हैं। सड़ी सब्जियाँ, प्लास्टिक की थैलियाँ, मेडिकल वेस्ट और जहरीला कचरा इनके पेट में जाता है। धीरे-धीरे यही जहर उनकी मौत का कारण बनता है।

भारत के लगभग हर छोटे-बड़े शहर की भयावह तस्वीर अब आम होती जा रही है- कूड़े के ढेर में भोजन तलाशती गायें, प्लास्टिक निगलते बछड़े, सड़कों पर भटकते पशु और गंदगी से जूझती आबादी। एक तरफ समाज गाय को ह्लमाताह्व कहकर पूजता है, दूसरी तरफ वही गायें भूख, बीमारी और इंसानों की लापरवाही के कारण सड़कों पर दम तोड़ रही हैं। यह केवल सफाई व्यवस्था की विफलता नहीं बल्कि हमारी सामाजिक संवेदनहीनता और दोहरे चरित्र का जीवंत प्रमाण है।

आज देश के अधिकांश शहरों में सुबह का दृश्य लगभग एक जैसा होता है। दूध निकालने के

डॉ. प्रियंका सौरभ

बाद पशुपालक अपनी गायों को खुला छोड़ देते हैं। ये पशु फिर गलियों, बाजारों और कूड़े के ढेरों में भोजन तलाशते घूमते रहते हैं। सड़ी सब्जियाँ, प्लास्टिक की थैलियाँ, मेडिकल वेस्ट और जहरीला कचरा इनके पेट में जाता है। धीरे-धीरे यही जहर उनकी मौत का कारण बनता है। कई बार ऑपरेशन में गायों के पेट से कई किलो प्लास्टिक निकलता है लेकिन समाज की संवेदनाएँ फिर भी नहीं जागतीं।

सबसे बड़ा सवाल उन पशुपालकों से है जो पशु को केवल ह्लदूध देने वाली मशीनह्व समझते हैं। जब तक गाय से कमाई होती है, तब तक उसकी पूजा होती है लेकिन जैसे ही वह सड़कों पर छोड़ दी जाती है, उसकी जिम्मेदारी खत्म मान ली जाती है। यह लालच और अमानवीयता का सबसे कुरूप चेहरा है। जिस पशु से घर चलता है, बच्चों की फीस भरती है और परिवार की आय बनती है, उसी को कचरे में मुंह मारने के लिए छोड़ देना किस संस्कृति और किस धर्म का हिस्सा है?

विडंबना यह है कि गाय के नाम पर देश में सबसे ज्यादा भावनाएँ भड़काई जाती हैं। राजनीति से लेकर धार्मिक मंचों तक ह्लगौ माताह्व का जयकारा लगाया जाता है। सोशल मीडिया पर लोग गाय को रोटी खिलाते हुए वीडियो डालते हैं और खुद को बड़ा पशु प्रेमी साबित करते हैं। लेकिन यदि सच में गाय के प्रति प्रेम और सम्मान होता तो शहरों की सड़कों पर कोई गाय भूखी, घायल या प्लास्टिक खाते दिखाई नहीं देती।

आज हालात इतने खराब हो चुके हैं कि शहरों में आवारा पशु केवल अपनी जान ही नहीं गंवा रहे, बल्कि आम लोगों की जान के लिए भी खतरा बनते जा रहे हैं। सड़क दुर्घटनाओं में हर साल हजारों लोग घायल होते हैं। रात के अंधेरे में अचानक सामने आए पशु कई बार जानलेवा हादसों का कारण बनते हैं लेकिन न प्रशासन गंभीर दिखता है और न समाज।

नगर निगम और स्थानीय प्रशासन समय-समय पर अभियान चलाने की बातें करते हैं लेकिन समस्या जड़ से कभी हल नहीं होती। कुछ पशु पकड़कर गौशालाओं में भेज दिए जाते हैं, कुछ दिनों तक कार्रवाई दिखाई जाती है और फिर सब पहले जैसा हो जाता है। असल समस्या यह है कि पशुपालकों की जवाबदेही तय ही नहीं की जाती। यदि कोई व्यक्ति अपने पशु को सड़क पर छोड़ता है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई क्यों नहीं होती?

यह संकट केवल पशुओं तक सीमित नहीं है। शहरों में फैला कचरा और गंदगी अब सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन चुकी है। खुले कूड़े के ढेर मच्छरों, मक्खियों और संक्रमण का घर बनते जा रहे हैं। बारिश में यही कचरा नालियाँ जाम करता है और जलभराव के साथ बीमारियों का संकट पैदा करता है। लेकिन हम सफाई को अब भी केवल सरकारी जिम्मेदारी मानकर अपने कर्तव्यों से बच निकलना चाहते हैं।

भारत ह्लस्मार्ट सिटीह्व और आधुनिक विकास के बड़े-बड़े दावे करता है। चमकती सड़कें, बड़े मॉल और ऊँची इमारतें विकास का प्रतीक बन गई हैं लेकिन असली विकास वह होता है जहाँ इंसान और पशु दोनों सम्मान और सुरक्षा के साथ जी सकें। जिस शहर में गायें कूड़े में भोजन तलाशती हों और लोग उस दृश्य को सामान्य मानकर गुजर जाएँ, वहाँ विकास केवल दिखावा है।

हमारी सबसे बड़ी समस्या यह है कि हमने संवेदनशीलता को प्रदर्शन में बदल दिया है। कैमरे के सामने दया दिखाना आसान है लेकिन व्यवस्था बदलने की मांग करना कठिन। लोग मंदिरों में दान देते हैं, धार्मिक यात्राएँ करते हैं, गाय के नाम पर बहस करते हैं लेकिन अपने आसपास फैली गंदगी और पशुओं की बदहाली पर चुप रहते हैं।

राजनीति भी इस मुद्दे पर केवल भावनात्मक लाभ उठाती रही है। चुनावों में गाय और धर्म के नाम पर भाषण दिए जाते हैं लेकिन सड़कों पर मरती गायों के लिए ठोस नीति कहीं दिखाई नहीं देती। गौशालाओं के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च होने के दावे होते हैं, फिर भी शहरों में बेसहारा पशुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। आखिर यह पैसा कहाँ जा रहा है? जवाबदेही कौन तय करेगा?

सबसे दुखद बात यह है कि बच्चों की पीढ़ी अब इस अमानवीय दृश्य की आदी होती जा रही है। रोज सड़क पर घायल पशु, कूड़े में भोजन तलाशती गायें और गंदगी का माहौल देखकर संवेदनाएँ धीरे-धीरे मरने लगती हैं। एक समाज जो अपने पशुओं तक के प्रति दयालु नहीं रह पाता, वह इंसानों के प्रति भी लंबे समय तक मानवीय नहीं रह सकता।

समाधान स्पष्ट है, बस इच्छाशक्ति की जरूरत है। सबसे पहले पशुपालकों की जिम्मेदारी तय करनी होगी। हर पशु का पंजीकरण अनिवार्य हो और पशु को सड़क पर छोड़ने पर भारी जुमार्ना लगाया जाए। नगर निकायों को आधुनिक कचरा प्रबंधन प्रणाली लागू करनी चाहिए। प्लास्टिक के खुले उपयोग और कचरे के गलत निस्तारण पर सख्ती जरूरी है। गौशालाओं की वास्तविक स्थिति का पारदर्शी ऑडिट होना चाहिए।

साथ ही समाज को भी अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा। सड़क पर कचरा फेंकना, प्लास्टिक खुले में छोड़ना और हर समस्या के लिए केवल सरकार को दोष देना आसान रास्ता है। शहर नागरिक अनुशासन और सामूहिक जिम्मेदारी से बदलते हैं।

आज सड़कों पर फैला कचरा और उसमें भोजन तलाशती गायें केवल बदइंतजामी का दृश्य नहीं हैं। यह हमारे समाज के नैतिक पतन का आईना हैं। गायों के नाम पर शोर बहुत है लेकिन उनकी वास्तविक पीड़ा पर खामोशी उससे भी बड़ी है। जब तक यह दोहरी मानसिकता खत्म नहीं होगी, तब तक न शहर सच में स्वच्छ होंगे, न पशु सुरक्षित होंगे और न ही हमारा समाज संवेदनशील कहलाने योग्य बचेगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

गंगोत्री में दर्शन के न्यू रुल्स

लिखा अक्षय तृतीया के पर्व से चारधाम यात्रा 2026 की शुरूआत हो चुकी है। इस यात्रा में लाखों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। इन दिनों उत्तराखंड की पवित्र धरती पर भक्तों का सैलाब उमड़ चुका है। गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट खलते ही भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। ऐसे में अगर आप भी इस बार चारधाम यात्रा पर जाने का मन बना रही हैं, तो आपको गंगोत्री धाम से जुड़ी यह जानकारी जरूर होनी चाहिए।

बता दें कि इस बार नियम में कुछ बदलाव हुए हैं। खासतौर पर पंचगव्य से जुड़ा नियम इस बार काफी चर्चा में है। ऐसे में बिना पूरी जानकारी के इस यात्रा पर निकलना सही नहीं होगा। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस बार कौन से नए नियम लागू किए गए हैं।

पंचगव्य वाला नियम

बता दें कि गंगोत्री मंदिर की देखरेख करने वाली श्री पंच गंगोत्री मंदिर समिति द्वारा यह फैसला लिया गया है। जिसमें बताया गया है कि मंदिर में प्रवेश करने वाले भक्तों को पंचगव्य लेना होगा। तो आइए जानते हैं कि इसको कैसे लेना है।

जानिए क्या होता है पंचगव्य

पंचगव्य पांच चीजों से मिलकर बनता है

गाय का दूध

घी

दही

गोमूत्र

गोबर

वहीं इसके साथ गंगाजल को भी शामिल किया जाता है। इसको हिंदू परंपरा में शुद्धि यानी की पवित्रता का एक तरीका माना जाता है।

किसे लेकर जाना होगा

जो लोग सनातन धर्म की परंपराओं को मानते हैं, उनके लिए पंचगव्य का नियम रखा जा रहा है। इसके अलावा सिख, बौद्ध और जैन धर्म को भी सनातन परंपरा से जुड़ा माना जाता है, इसलिए उनके लिए अलग से किसी रोक की बात नहीं कही गई है।

बाकी धर्मों के लिए नियम

चारधाम यात्रा में सिर्फ गंगोत्री ही नहीं बल्कि यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम भी शामिल हैं। लेकिन अभी पंचगव्य का नियम सिर्फ गंगोत्री धाम में प्रवेश के लिए लागू किया गया है। हालांकि इस तरह के नियमों पर यमुनोत्री धाम भी विचार कर रही है। वहीं केदारनाथ धाम और बद्रीनाथ धाम मंदिर समिति द्वारा पहले से ही गैर हिंदुओं के प्रवेश को लेकर सख्त प्रस्ताव पास किया गया है।

टिप्स

डेली कॉफी पीना कितना सही

कुछ लोगों को कॉफी पीना काफी पसंद होता है। कॉफी लवर दिन में 2-3 बार कॉफी पीते हैं। ऐसे में कुछ लोग कॉफी एक बेवरेज नहीं बल्कि रुटीक का हिस्सा ही मान लेते हैं। लोग कॉफी के बिना अपना दिन अधूरा मानते हैं। कई लोग दिन की शुरूआत कॉफी से ही करते हैं और इसे एनर्जी प्रदा करने वाला और मूड बूस्ट करने वाला मानते हैं। अब सवाल उठता है कि कॉफी पीना सेहत के लिए अच्छी है या फिर नुकसानदायक। असल में कॉफी पीने की मात्रा, पीने का तरीका और कई बातों पर निर्भर करता है। इस लेख में हम आपको कॉफी के फायदे, नुकसान और इसे पीने के सही तरीके के बारे में बताएंगे।

क्या कॉफी सेहत के लिए नुकसानदेह है?

- ✔ कॉफी में कैफीन सबसे अधिक होता है, जो कि नर्वस सिस्टम को उत्तेजित होता है। इसे पीने से कुछ देर के लिए दिल की धड़कन और बीपी बढ़ सकता है।
- ✔ ऐसा बहुत कम देर के लिए होता है और बीपी और धड़कन का लेवल बहुत ज्यादा नहीं बढ़ता है।
- ✔ हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि आमतौर पर कम मात्रा में कॉफी का सेवन करने से दिल के लिए काफी फायदेमंद होता है। लेकिन ऐसा हर किसी के साथ नहीं होता है।
- ✔ कुथ लोगों को एक कप कॉफी पीने के बाद दिल की धड़कने तेज हो जाती है। कंपकंपी या बैचेनी महसूस होना जैसी समस्या हो सकती है। इन संकेतों से पता चलता है कि आपको कॉफी नहीं पीनी चाहिए।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

बच्चों को अधिकार और सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

संवाददाता

साहिबगंजः झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निदेर्शानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज श्री अखिल कुमार के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न विद्यालयों में जागृति प्रोजेक्ट के तहत सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भविष्यह्व विशेष जागरूकता अभियान के तहत बच्चों को जागरूक किया गया। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों सुरक्षा कानूनी संरक्षण तथा सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक कर एक सुरक्षित एवं संवेदनशील समाज का निर्माण करना है। अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न विद्यालयों स्थित लीगल लिटरेसी क्लबों में विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किए गए, जिसमें बच्चों, शिक्षकों अभिभावकों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। बच्चों को सरल व रोचक तरीके से कानूनी जानकारी उपलब्ध कराई गई।प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा केवल परिवार या विद्यालय की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे जागृति प्रोजेक्ट के तहत बच्चों को कानूनी रूप से सशक्त बनाने तथा उनके भीतर आत्मविश्वास विकसित करने के उद्देश्य से यह अभियान संचालित किया जा रहा है। बच्चों को पोक्सो एक्ट, 2012 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी प्रकार के यौन शोषण उत्पीड़न अथवा अनुचित व्यवहार की स्थिति में बच्चे बिना डरे अपनी बात अभिभावकों, शिक्षकों अथवा संबंधित अधिकारियों तक पहुँचाएँ। बच्चों को ह्यगुड टच और बैड टचह्व की पहचान आत्मरक्षा, सुरक्षित व्यवहार तथा सहायता प्राप्त करने के उपायों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।जागरूकता कार्यक्रम में बाल विवाह, दहेज प्रथा डायन प्रथा बाल श्रम, बाल तस्करी, साइबर क्राइम?ऑनलाइन ठगी एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग जैसे गंभीर विषयों पर भी चर्चा की गई। बच्चों को बताया गया कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि हिंसा या शोषण की जानकारी तुरंत संबंधित विभागों एवं हेल्पलाइन नंबरों पर दी जानी चाहिए। इस दौरान चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस हेल्पलाइन 112 महिला हेल्पलाइन 181 के संबंध में भी जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम में निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तथा बच्चों के लिए उपलब्ध विभिन्न सहायता योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ आत्मसम्मान अनुशासन एवं डिजिटल सुरक्षा के महत्व से अवगत कराया गया। सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया कि बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों और शिक्षकों को भी संवेदनशील व जागरूक बनाना अत्यंत आवश्यक है। ताकि बच्चों के लिए भयमुक्त, सुरक्षित एवं सकारात्मक वातावरण तैयार किया जा सके। उन्होंने बताया कि यह 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता अभियान समाज के अंतिम पायदान पर खड़े बच्चों तक न्याय एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जिससे बच्चों का भविष्य सुरक्षित, सशक्त एवं उज्ज्वल बनाया जा सके।

पोषण ट्रैकर के माध्यम से कुपोषण मुक्त साहिबगंज बनाना लक्ष्य : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंजःजिला प्रशासन के तत्वावधान में आज सिद्धो-कान्हू सभागार में नवचयनित महिला पर्यवेक्षिकाओं के लिए एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त श्री दीपक कुमार दुबे ने की, जिसमें नवनियुक्त कर्मियों को उनके प्रशासनिक उत्तरदायित्वों, विभागीय प्राथमिकताओं एवं तकनीकी कौशल से अवगत कराया गया। क्षेत्रीय भ्रमण और पारदर्शिता पर विशेष जोर प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने स्पष्ट संदेश दिया कि महिला पर्यवेक्षिका का पद पूर्णतः एक क्षेत्रीय दायित्व है। उन्होंने निर्देश दिया कि अगले तीन महीनों के भीतर सभी पर्यवेक्षिकाएं अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र का औचक भ्रमण एवं भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें। सेविका-सहायिका चयन प्रक्रिया पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि चयन नियमावली 2022 का कड़ाई से अनुपालन किया जाए ताकि चयन प्रक्रिया पारदर्शी और विवाद रहित बनी रहे।डिजिटल सशक्तिकरणः मोबाइल वितरण एवं पोषण ट्रैकर तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त द्वारा नवचयनित महिला पर्यवेक्षिकाओं के बीच मोबाइल हैंडसेट का वितरण किया गया। उपायुक्त ने निर्देशित किया कि पोषण ट्रैकर ऐप पर बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं का डेटा ससमय एवं सटीक रूप से प्रविष्ट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों की सुविधाओं बिजली, पानी, शौचालय की सही रिपोर्टिंग सीधे जिला एवं राज्य की रैंकिंग को प्रभावित करती है।अतः इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी।कुपोषण के विरुद्ध शून्य सहनशीलता स्वास्थ्य मानकों पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि रेड श्रेणी अति कुपोषित के बच्चों को चिन्हित कर उन्हें न्यूट्रिशनल इंटरवेंशन के माध्यम से ग्रीन श्रेणी में लाना ही मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल पोषण वितरण का केंद्र न रहकर प्रारंभिक शिक्षण केंद्र के रूप में विकसित होने चाहिए, जहाँ बच्चों का आधारभूत शैक्षणिक विकास सुनिश्चित हो सके।विभागीय तत्परता जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्री संजय कुमार दास ने बताया कि साहेबगंज जिला राज्य में अग्रणी भूमिका निभाते हुए नवनियुक्त कर्मियों को त्वरित प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

लोगों ने जाति प्रमाण पत्र निर्गत ना होने से हो रही परेशानी : श्याम सुंदर

संवाददाता

साहिबगंजःभारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी साहिबगंज जिला कमेटी की ओर से एक प्रतिनिधि मंडल साहिबगंज उपायुक्त से मिलकर 6 सूत्री मांग पत्र सौपा।जिसमें बरहरवा आंचल में चल रहे 9 वा दिन शेरशावादी समुदाय के अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन हेतु चर्चा किया गया।साथी ही कामरेड असगर आलम ने कहा कि पिछले 4 मई 2026 से बरहरवा प्रखंड परिसर में शेरशाहवादी समुदाय अपनी सांस्कृतिक और पहचान को बनाए रखने के लिए जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं।जबकि 2001 से 2012 तक लगातार शेरशावादी जाति प्रमाण पत्र निर्गत किया गया है।2012 के अंत समय से स्थानीय प्रशासन द्वारा इस पर रोक लगा दिया गया इसके बावजूद 2017 तक जिला प्रशासन और आंचल प्रशासन से व्यक्तिगत तौर पर संपर्क कर छिट पुट ढंग से जाति प्रमाण पत्र निर्गत हुए 2012 में बंद जाति प्रमाण पत्र निर्गत न करने के कारण मुख्य रूप से खतियान में शेरशावादी उल्लेख नहीं रहने को बताया जा रहा है। जिसके परिणाम स्वरुप समुदाय के लोगों ने जाति प्रमाण पत्र निर्गत ना होने कोई एक गंभीर समस्या समझते हुए लोगों ने अंचल से लेकर जिला तक विभिन्न आंदोलन आत्मक कार्यक्रम तथा डेलिगेशन के माध्यम से अधिकारियों को अवगत कराते रहे जबकि एकीकृत बिहार में 1996 से शेरशाहवादी समुदाय को अत्यंत पिछड़े वर्ग में शामिल कर जाति प्रमाण पत्र निर्गत करते रहे,उसी क्रम में साहिबगंज जिले में 1999 से जाति प्रमाण पत्र निर्गत होना आरंभ हुआ जब कि बिहार तथा पश्चिम बंगाल के जिन क्षेत्रों में शेरशाहवादी निवास कर रहे हैं उसे शेरशाहवादी जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने में खतियान में शेरशाह वादी उल्लेख रहना या नहीं रहना जरूरी नहीं है वहां आज तक नियमित रूप से बिहार एवं पश्चिम बंगाल के शेरशाहवादी समुदाय के लोगों को नियमित रूप से शेरशाहवादी जाति प्रमाण पत्र मिल रहा है साथ ही साहिबगंज जिला के आंचल साहिबगंज में भी शेरशाहवादीजाति प्रमाण पत्र निर्गत हो रहा है

ग्रामीण और शहरी इलाकों में लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है : सुनील सोरेन

- बालू की किल्लत के कारण निर्माण कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं : लोबिन हेंब्रम
- बिजली पानी मुद्दों को लेकर भाजपा ने निकाला आक्रोश रैली

संवाददाता

साहिबगंजःझारखण्ड राज्य में लगातार बिगड़ती बिजली पानी और बालू संकट को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने पुरे प्रदेश मे आक्रोश प्रदर्शन किया।इसी क्रम मे मंगलवार को साहिबगंज भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम यादब के नेतृत्व मे बिजली,पानी सहित अन्य मुद्दों को लेकर आक्रोश रैली निकाला।जो चौक बाजार से शुरू होकर स्टेशन चौक,कॉलेज होते हुए पूवीफॉटक मे समाप्त हुआ।इस रैली मे दुमका के पूर्व सांसद सुनील सोरेन व बोरियो के पूर्व विधायक लोबीन हेमरम मुख्य रूप से शामिल हुए।रैली मे महिला सिर पर मटका रखकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और दुमका के पूर्व सांसद सुनील सोरेन ने राज्य सरकार पर जनहित के मुद्दों की अनदेखी और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि जिले सहित पूरे राज्य में बिजली पानी की अनियमित आपूर्ति से आम जनता परेशान है।कई क्षेत्रों में घंटों बिजली कटौती हो रही है।जिससे छात्रों,व्यवसायियों और किसानों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट गहराता जा रहा है।ग्रामीण और शहरी इलाकों में लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है,झारखंड सरकार समस्या के समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रही है।वहीं पूर्व विधायक लोबीन हेमब्रम ने कहा कि बालू की किल्लत के कारण निर्माण कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं और मजदूरों के समक्ष रोजगार का संकट उत्पन्न हो गया है।उन्होंने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है।लेकिन सरकार केवल घोषणाओं तक सीमित है।उन्होंने कहा कि यदि सरकार जल्द ही बिजली,पानी और बालू की समस्या का समाधान नहीं किया तो भाजपा आंदोलन को और तेज करेगी।इसके बाद एक शिष्टमंडल समाहरणालय में डीसी दीपक दूबे से मुलाकात कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम ज्ञापन सौंपा।मौके पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृपानाथ मंडल,धर्मेन्द्र कुमार,पूर्व जिला अध्यक्ष रणधीर सिंह,प्रदीप अग्रवाल, रामदरश यादव, उज्जवल मंडल,गणेश तिवारी, रामानंद साह,सोनेलाल ठाकुर, खगेंद्र साहा,रमिता तिवारी ,गरिमा साह चांदनी देवी,सागर मंडल,अनुराग राहुल, विनोद चौधरी,प्रमोद पाण्डेय रणधीर सिंह,अजय चौधरी,उषा भारती,गौतम पंडित,धर्मेन्द्र मंडल सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अंधेरा में डूबे रहमत टोला फिर से रोशनी लौट आई

संवाददाता

साहिबगंजःसदर प्रखंड के लालबथानी रहमत टोला मे पिछले पांच दिन से व्याप्त बिजली संकट युवा कांग्रेस के राजमहल विधनसभा अध्यक्ष कौसर आलम आलम की सक्रियता और पहल से गांव में 100 केवी का नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया। गौरतलब है कि लालबथानी रहमत टोला गांव का ट्रांसफार्मर पिछले पांच दिनों से जला हुआ था।भीषण गर्मी में बिजली न होने के कारण पानी और रोशनी के लिए भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।भीषण गर्मी में बिजली की कमी में ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी थी बिजली संकट गहराने पर ग्रामीणों ने अपनी समस्या युवा कांग्रेस राजमहल विधानसभा कौसर आलम को बताई।वही मामले की गंभीरता को देखते हए कौसर अलम ने ग्रामीण को आश्वासन दिया था कि जल्द से जल्द नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध हो जायेगा।उन्होंने विभाग से संपर्क कर 100 केवी का ट्रांसफार्मर गांव मे व्यवस्था कर बिजली बहाल कराई।इधर गांव मे बिजली होते ही ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे अंधेरा में डूबे रहमत टोला फिर से रोशनी लौट आई।इसके लिए ग्रामीणों ने कौसर आलम की त्वरित पहल और जनहित में किए गए कार्य के लिए उनका तहे दिल से आभार व्यक्त किया।मौके पर मो० एहसास,मो ईशा, शमसुल हक,युसुफ अली,निजाम अली,मो क ली , अक बार , सा द्दा म हुसैन,तफज्जुल हक,मो० हकीम, अकबर अली,फिरोज आलम आदि उपस्थित रहे।

सड़कों पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : बीडीओ

संवाददाता

साहिबगंज/उधवाः उधवा चौक में मंगलवार को बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी के नेतृत्व में अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया गया। प्रशासन ने पुलिस बल के मदद से सड़क फुटपाथ पर अस्थाई दुकानों को तत्काल सड़क से हटा दिया। जबकि बीडीओ सह सीओ जयंत तिवारी ने दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि आगे से इस प्रकार के सड़कों पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ कहा कि पुनः अतिक्रमण किये जाने पर दुकानदारों के खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि उधवा चौक एवं उनके आसपास अस्थाई दुकान लगाने और सड़कों पर वाहन सड़क पर खड़ा रहने के कारण सड़क पर जाम की स्थिति बनी रहती है। जिसके कारण सड़क से गुजरने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उधवा चौक स्थित पुराना थाना, सब्जी मार्केट के पास, और पुल के पास पार्किंग सुविधा नहीं रहने के कारण प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में बाइक व अन्य वाहन सड़क पर खड़ी रहती है। इसके अलावे उधवा चौक से बेलवा मोड़ और पाकीजा मोड़,तक सड़क के किनारे कई दुकान लगी रहती है। सड़क पर ही कई फुट पाथ के दुकानदार भी दुकान लगाते हैं। कभी कभी घंटों जाम में राहगीर फंसे रहते है। वहीं एसबीआई शाखा उधवा से पाकीजा मोड़ तक दुकानदार सड़क को अतिक्रमण कर लेता है। लोगों को वाहन भी सड़क पर ही लगाना पड़ रहा है। जिसके कारण चौक में अक्सर जाम की समस्या बनी रहती है। सड़क किनारे ही सब्जी मार्केट लगाया जाता है। वहां भी लोग बाइक सड़क पर ही लगाकर सब्जी खरीदते हैं। उधवा चौक पुल के पास से लेकर पुराना थाना सब्जी मार्केट तक सब्जी व अन्य ठेले वाले दुकानदार सड़क पर ही अपना दुकान लगा देते हैं। दुकान पर भीड़ लगने के बाद सड़क पर अधिक जाम लगा रहता है। जिससे सड़क पर दुर्घटना की आशंका हमेशा बनी रहती है। हांलाकि प्रशासन द्वारा समय समय पर अतिक्रमण तो हटा देते हैं लेकिन कुछ दिन बाद फिर सड़क पर अतिक्रमण शुरू हो जाता है। मौके पर राधानगर थाना के सहायक अवर निरीक्षक सैफुद्दीन खान एवं सशस्त्र बल मौजूद थे।

न्यूज IN ब्रीफ

वाहन जांच अभियान 32 वाहनों से वसूला गया 66 800 रुपये जुर्माना

साहिबगंज/उधवाः सड़क सुरक्षा नियमों के पालन को लेकर मंगलवार को जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में राधानगर थाना के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान आने-जाने वाले वाहनों की बारीकी से जांच की गई, जिससे वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा। जांच अभियान के दौरान कुल 64 वाहनों की जांच की गई। इस दौरान कई वाहन चालक बिना आवश्यक कागजात हेलमेट, सीट बेल्ट तथा अन्य सुरक्षा मानकों का पालन करते नहीं पाए गए। नियमों का उल्लंघन करने वाले 32 वाहनों पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए चालान काटा गया। अभियान के दौरान कुल 66 हजार 800 रुपये जुमार्ना वसूला गया। जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से लगातार वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने वाहन चालकों से हेलमेट सीट बेल्ट और वैध दस्तावेजों के साथ ही यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। मौके पर राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशार सहित पुलिस बल के जवान मौजूद थे। अभियान के दौरान पुलिस और परिवहन विभाग की संयुक्त कार्रवाई से क्षेत्र में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

फसल चोरी के आरोप में प्राथमिक दर्ज

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सकरीगली निवासी बजरंगी चौधरी एवं उसकी पत्नी के विरुद्ध चौक बाजार निवासी राजेंद्र पोद्दार ने फसल चोरी का आरोप लगाते हुए मुफस्सिल थाना में प्राथमिक की दर्ज करवाया है।थाना प्रभारी अनीश पांडेय ने बताया कि राजेंद्र पोद्दार की शिकायत के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मारपीट कर रुपए व मोबाइल की छिनतई

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के लोहंडा शांति नगर घोगी निवासी रामचंद्र मंडल ने युवकों पर मारपीट कर नगद रुपए छीन लेने का आरोप लगाते हुए जिरवाबाड़ी पुलिस से शिकायत किया है। रामचंद्र मंडल ने बताया कि अपने घर शांति नगर घोगी की ओर जा रहा था तभी निरंजन यादव, मोदी यादव, वकील यादव ,राज किशोर ने उसे घेर लिया और जबरन मारपीट कर उसके पास से नगद 57 सौ रुपए एवं मोबाइल की छिनतई कर फरार हो गया। घटना घटित होने के बाद लिखित आवेदन देकर मामला दर्ज करने को लेकर शिकायत किया है। थाना प्रभात प्रभारी अजीत लाकड़ा ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है पुलिस आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर युवकों के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है ।

साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर दो युवतियों से छेड़छाड़, दो युवक हिरासत में

प्लेटफार्म नंबर एक पर मचा हंगामा रेल पुलिस कर रही पूछताछ

साहिबगंजः रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक के पश्चिमी छोर पर मंगलवार की शाम दो युवतियों के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद स्टेशन परिसर में काफी देर तक हंगामा होता रहा। घटना के बाद आसपास मौजूद यात्रियों और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने दो युवकों को पकड़कर रेल थाना पुलिस के हवाले कर दिया।पीड़ित युवती, जो मुफस्सिल थाना क्षेत्र की रहने वाली बताई जा रही है, ने रेल थाना में आवेदन देकर कबूतरखोपी निवासी दीपक यादव एवं विकास कुमार, शोभनपुर भट्ठा निवासी शिवम यादव तथा एक अन्य युवक पर छेड़छाड़ और जातिसूचक गाली देने का आरोप लगाया है।युवती ने आवेदन में बताया कि वह मंगलवार दोपहर करीब 2:45 बजे अपनी एक सहेली के साथ ट्रेन पकड़ने के लिए प्लेटफार्म नंबर एक के पश्चिमी छोर पर बैठी हुई थी। इसी दौरान चार युवक वहां पहुंचे और अभद्र व्यवहार करने लगे। आरोप है कि युवकों ने मोबाइल छीनने का प्रयास किया तथा उसका हाथ पकड़ लिया। किसी तरह शोर मचाकर दोनों युवतियां वहां से भाग निकलीं।युवतियों के शोर मचाने पर प्लेटफार्म पर मौजूद लोग मौके पर पहुंच गए और दो युवकों को पकड़ लिया। घटना को लेकर कुछ देर तक स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी और हंगामे की स्थिति बनी रही।इधर, रेल थाना प्रभारी कैलाश महतो ने बताया कि मामले में दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आवेदन के आधार पर जांच करते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भैंस चरा रहे युवक की वज्रपात से मौत

साहिबगंज/उधवाःराधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत नवपाड़ा गांव में मंगलवार को अचानक हुए वज्रपात ने एक परिवार की खुशियां छीन ली। खेत में भैंस चरा रहे एक युवक की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम पसर गया, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार नवपाड़ा गांव निवासी टिंकू घोष का 18 वर्षीय पुत्र बिग्गी घोष मंगलवार दोपहर गांव के बहियार में भैंस चरा रहा था। इसी दौरान मौसम ने अचानक करवट ली और आसमान में घने काले बादल छा गए। बारिश शुरू होते ही अचानक तेज गर्जना के साथ वज्रपात हो गया। आकाशीय बिजली सीधे युवक के समीप गिरी, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। उधर घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक युवक दम तोड़ चुका था। सूचना गांव पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई।

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, सोफी मालिनक्स फिट, डार्सी ब्राउन टीम से बाहर

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। कप्तान सोफी मालिनक्स फिट होकर टूनार्मेंट में वापसी करेंगी, जबकि तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन को टीम से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह 19 वर्षीय बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को मौका मिला है। वहीं ग्रेस हैरिस की भी टीम में वापसी हुई है। ऑस्ट्रेलियाई चयनकताओं ने टीम में दो लेग स्पिनर अलाना किंग और जॉर्जिया वेयरहैम को शामिल किया है। इनके अलावा बाएं हाथ की स्पिनर सोफी मालिनक्स और ऑफ स्पिन ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर भी टीम का हिस्सा हैं।

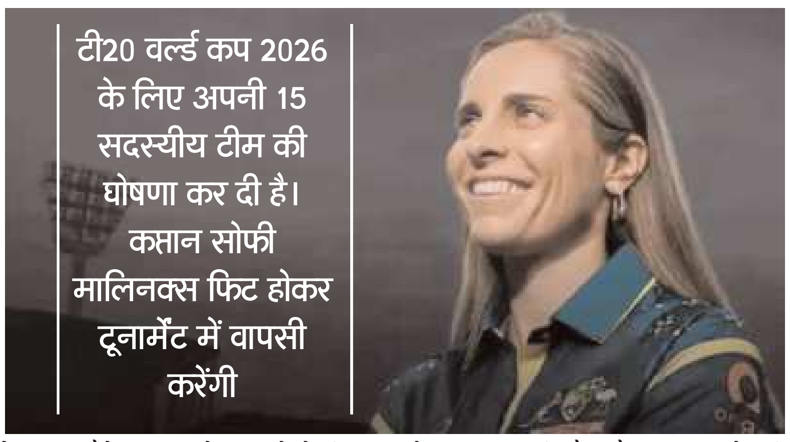

राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेग्लर ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा कि जरूरत पड़ने पर चारों स्पिनर एक साथ प्लेइंग इलेवन में खेल सकती हैं, लेकिन अलाना किंग फिलहाल स्पिन मददगार परिस्थितियों के लिए चौथे विकल्प के रूप में देखी जा रही हैं। उन्होंने कहा, ह्लसोफी हमारी कप्तान हैं और वह निश्चित रूप से खेलेंगी। महिला क्रिकेट में बाएं हाथ की स्पिन बेहद अहम मानी जाती है। जॉर्जिया लंबे समय से प्रमुख लेग स्पिनर रही हैं और अलाना ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। लेकिन फिलहाल हमारी प्राथमिकता एश, सोफी और जॉर्जिया हैं। परिस्थितियां अनुकूल होने पर अलाना को मौका मिलेगा। डार्सी ब्राउन का बाहर होना काफी चौंकाने वाला माना जा रहा है। उन्होंने 2023 महिला टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। भारत के खिलाफ सेमीफाइनल में उन्होंने 18 रन देकर 2 विकेट लिए थे, जबकि फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 25 रन देकर 1 विकेट हासिल किया था। हालांकि हाल के समय में उनका प्रदर्शन फीका रहा। 2024 टी20 वर्ल्ड कप में उन्होंने सिर्फ तीन मैच खेले और इस साल भारत और वेस्टइंडीज के खिलाफ चार टी20 मुकाबलों में वह कोई विकेट नहीं ले सकीं। फ्लेग्लर ने कहा, ह्लडार्सी निराश जरूर हैं, लेकिन हमने पिछले कुछ वर्षों में उन्हें नई गेंद की प्रमुख गेंदबाज बनाने की कोशिश की। वह अभी युवा हैं और हमें भरोसा है कि उनका भविष्य शानदार रहेगा। यह उनके करियर का अंत नहीं है। लूसी हैमिल्टन का चयन उनके शानदार उभार का नतीजा है। उन्होंने मार्च में कैरेबियन दौरे पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक वह सिर्फ एक टी20, दो वनडे और एक टेस्ट खेली हैं, लेकिन भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में छह विकेट लेकर उन्होंने सभी को प्रभावित किया था। ऑस्ट्रेलिया की मुख्य कोच शेली निट्शके ने कहा, ह्ललूसी अच्छी बाउंस निकालती हैं और उनकी गेंदबाजी में अलग तरह की ताकत है। हमारे गेंदबाजी आक्रमण में वह अलग पहचान जोड़ती हैं ह्व ग्रेस हैरिस की टीम में वापसी निचले क्रम की बल्लेबाजी को मजबूती देने के लिए की गई है। उन्होंने मार्च में क्वींसलैंड को डब्ल्यूएनसीएल फाइनल जिताने में शतक लगाया ६२ और फरवरी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को डब्ल्यूपीएल खिताब जिताने में भी योगदान दिया था। ऑस्ट्रेलिया को एनेबेल सदरलैंड की भी वापसी से मजबूती मिली है, जिन्हें कैरेबियन दौरे पर आराम दिया गया था। टीम में मुख्य विकेटकीपर के रूप में सिर्फ बेथ मूनी को चुना गया है। एलिसा हीली के संन्यास के बाद वही विकेटकीपिंग संभालेंगी। वहीं टालिया विल्सन को रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर टीम के साथ भेजा जाएगा। ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड कप से पहले 31 मई, 2 जून और 4 जून को अरुंडेल कैसल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन अभ्यास मैच खेलेगा। इसके बाद 13 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ही अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरूआत करेगा।

ऑस्ट्रेलिया की महिला टी20 वर्ल्ड कप टीम:

सोफी मालिनक्स (कप्तान), एश्ले गार्डनर (उपकप्तान), टालिया मैक्ग्रा (उपकप्तान), निकोला कैरी, किम गर्थ, लूसी हैमिल्टन, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, बेथ मूनी (विकेटकीपर), एलिस पेरी, मेगन शुट, एनेबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल और जॉर्जिया वेयरहैम। रिजर्व खिलाड़ीः टालिया विल्सन (विकेटकीपर)।

अमीषा पटेल ने फिल्म गदर 3 की कनफर्म

एक्ट्रेस अमीषा पटेल ने बॉलीवुड में बढ़ते कल्चर और नई पीढ़ी के स्टार्स पर निशाना साधते हुए सोशल मीडिया पर कई पोस्ट शेयर किए। शनिवार को ङ्क पर अमीषा ने सबसे पहले नेगेटिव कंटेंट बनाने वाले यूट्यूबर्स को लेकर लिखा, 'कभी भी उन कुछ नेगेटिव यूट्यूबर्स की बातों से दुखी या परेशान मत होइए, जो हर सुबह स्टार्स की आलोचना और नेगेटिव बातें करने के लिए उठते हैं। हम स्टार्स को उनसे परेशान होने के बजाय उनके लिए खुश होना चाहिए। आखिर हमारी बुराई करके ही उनका घर चल रहा है। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। इसके बाद अमीषा ने दूसरे ट्वीट में लिखा, 'खुद को सुपरस्टार तभी कहिए, जब आपने ऐसा काम किया हो, जिसने इतिहास बनाया हो और बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाया हो। उससे पहले खुद को सुपरस्टार कहलवाने के लिए PR गेम खेलना बंद कीजिए। सॉरी, लेकिन यही कड़वी सच्चाई है।' अगले ट्वीट में अमीषा ने लिखा, 'कई ऐसी एक्ट्रेसेस हैं, जिन्होंने आज तक अपने करियर में एक भी सोलो ब्लॉकबस्टर नहीं दी, फिर भी खुद को स्टार कहती हैं। साल में 2 एवरेज फिल्में करने और कुछ शूटिंग सेट्स पर मौजूद रहने से कोई स्टार नहीं बन जाता। उससे आप सिर्फ एक एक्टर बनते हैं, जो किसी प्रोजेक्ट का हिस्सा होता है।' उन्होंने आगे लिखा, 'ज्यादातर ऐसी एक्ट्रेसेस, जिनकी आज तक एक भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ?200 करोड़ तक नहीं पहुंची, वो अपनी क्क्र टीम से खुद को नंबर 1 और नंबर 2 कहलवा रही हैं। सच में? ये 2026 है, 2000 नहीं। आज के समय में ?100 करोड़ कोई बड़ी बात नहीं है।' PR मशीनरी को लेकर एक्ट्रेस ने लिखा, 'कोई स्टार तभी ग्लोबल सुपरस्टार बनता है, जब वह दुनिया भर में बड़ी हिट फिल्में दे। किसी भी प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना हर एक्टर के लिए अच्छी बात होती है, चाहे वह दुनिया में कहीं भी हो, लेकिन सुपरस्टार वही बनता है, जिसने बड़े हिट दिए हों। इसलिए क्क्र मशीनरी बंद कीजिए।' अपनी फिल्मों का जिक्र करते हुए अमीषा ने लिखा, 'कहो ना... प्यार है, गदरः एक प्रेम कथा और गदर 2... एक नहीं, बल्कि बतौर हीरोइन मैंने 3 सबसे बड़ी सोलो ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं।

बिहार की मिट्टी में सम्मानित होना सबसे बड़ी खुशीः संजना पांडे

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री संजना पांडे को हाल ही में आयोजित प्रतिष्ठित 'जी भोजपुरी 2026' समारोह में उनकी फिल्म 'कलेक्टर साहिबा' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (समीक्षक) और 'बहुमुखी अभिनेत्री' के सम्मान से नवाजा गया। शनिवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए से अपनी इस बड़ी उपलब्धि को शेयर करते हुए प्रशंसकों और फिल्म की टीम का आभार व्यक्त किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पुरस्कार समारोह की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वे अपनी ट्रॉफी के साथ गौरवान्वित महसूस करती दिख रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट किया कि उनके लिए केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि एक बेहद भावनात्मक पल है। अभिनेत्री ने लिखा, 'जिस बिहार की मिट्टी में आप पले-बढ़े हो और उसी से आपकी पहचान जुड़ी है, उसी धरती पर सम्मानित होना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी खुशी की बात है।' अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए अपनी सफलता का श्रेय टीम दिया। उन्होंने फिल्म निर्देशक इश्तियाक शेख बंटी और सह-अभिनेता गौरव झा का विशेष रूप से धन्यवाद किया। उन्होंने लेखक अरविंद तिवारी और फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों और तकनीशियनों के प्रति भी आभार प्रकट किया। संजना ने कहा कि टीम वर्क और सबके समर्थन के बिना यह मुकाम हासिल करना संभव नहीं था। संजना ने अपने संदेश के अंत में अपने परिवार, दर्शकों और ईश्वर का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने एक लिखा, 'जब आप काम पूरी मेहनत शिद्दत और ईमानदारी से करते हो तो देखने वाले देख ही लेते हैं। जय भोजपुरी। जय भोजपुरी समाज। इश्तियाक शैख बंटी द्वारा निर्देशित फिल्म में संजना पांडेय और गौरव झा के अलावा विनोद मिश्रा, अमित शुक्ला प्रकाश जैस, साहिल सिद्दीकी, सुबोध सेठ, रिंकू भर्ती, स्वीटी सिंह संतोष श्रीवास्तव, कंचन मिश्रा, निशा तिवारी और प्रेरणा सुषमा जैसे कलाकार हैं। संजना की इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म को टेलीविजन और यूट्यूब दोनों में प्रसारित किया था। यूट्यूब पर रिलीज के 13 घंटों के अंदर ही फिल्म को 18 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके थे।

इम्तियाज अली के निर्देशन में

निखरीं शरवरी वाघ, 'मस्कारा' को लेकर साझा किए बीटीएस पल

अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'क्या कमाल है' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री 'जिया' नाम का एक बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण किरदार निभा रही हैं। हाल ही में फिल्म का नया गाना 'मस्कारा' रिलीज हुआ है, जिसमें शरवरी का अंदाज पुराने दौर की बॉलीवुड हीरोइनों के रोमांस की याद दिला रहा है। शरवरी ने इंस्टाग्राम पर गाने की शूटिंग के बीटीएस पल शेयर किए। इस पोस्ट में शरवरी ने इम्तियाज अली के साथ अपने काम करने के अनुभव को बयां करते हुए लिखा, 'इम्तियाज अली सर और मैं इस एहसास को 'किस-मिस यारा' कहते थे। यह एक मजेदार बनाया गया शब्द है, जो पहली बार प्यार में पड़ने वाली उस मीठी और हल्की सी गुदगुदाहट को महसूस कराता है। ' अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'मेरा किरदार 'जिया' अपनी जिंदगी में कई बार इसी 'किस-मिस' वाले एहसास से गुजरती है। गाने में मेरा नटखट और शरारती अंदाज दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। शरवरी ने अपनी पोस्ट में इम्तियाज अली की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि किस तरह निर्देशक ने उन्हें अपनी परफॉर्मेंस की उन बारीकियों को समझने में मदद की, जिनसे वह खुद भी अनजान थीं। उन्होंने लिखा, 'मैंने सिर्फ आपको देखकर ही भावनाओं और कहानी कहने के तरीके के बारे में बहुत कुछ सीखा है। मुझ पर भरोसा करने और हर पल मेरा मार्गदर्शन करने के लिए मैं आपकी हमेशा आभारी रहूंगी। 'मस्कारा' गाने में शरवरी का लुक काफी क्लासी रखा गया है। गाने में उनका नटखट और शरारती अंदाज भी देखने को मिलता है। 'मस्कारा' गाना अपनी रोमांटिक धुन और शानदार केमिस्ट्री के लिए सोशल मीडिया पर छा गया है। इस गाने को वेदांग रैना और नीलांजना घोष दस्तीदार ने अपनी आवाज दी है। इसका संगीत दिग्गज संगीतकार ए.आर. रहमान ने दिया है, जबकि बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं।

गाने के वीडियो में वेदांग रैना और शरवरी वाघ की जोड़ी नजर आ रही है, जिनकी मासूम प्रेम कहानी और केमिस्ट्री को काफी पसंद किया जा रहा है। 'मस्कारा' एक सॉफ्ट रोमांटिक गाना है, जो जवानी के दिनों के प्यार, मासूम शरारत और जज्बातों को खूबसूरती से दिखाता है।

कियारा आडवाणी ने बताया मां बनने के बाद बदली जिंदगी

एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने बच्चे के जन्म के बाद के पोस्टपार्टम दौर के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि इस दौरान उन्हें किन-किन भावनात्मक बदलावों से गुजरना पड़ा और उनके पति, एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा से उन्हें कितना सहारा मिला है। कियारा जुलाई 2025 में मां बनने के बाद की जिंदगी के बारे में सोचते हुए भावुक हो गईं। उन्होंने इस दौर को अपनी जिंदगी का एक बड़ा बदलाव बताया।

अपने साथ वक्त बिताने का मिला समय

राज शमानी के साथ बातचीत में कियारा आडवाणी ने कहा कि उन्हें यह समझने में कई महीने लग गए कि वह किस दौर से गुजर रही हैं। उन्होंने कहा 'यह पूरी तरह से एक नई दुनिया है।' 34 साल की कियारा ने कहा, 'आपको एहसास होता है कि आप दूसरों के लिए कितना कुछ कर रहे हैं। आप उस रिश्ते के बारे में भूल जाते हैं जो आपको खुद के साथ बनाना चाहिए। आप उन बातों के बारे में भी भूल जाते हैं जो आपको खुद से कहनी चाहिए। मैं हमेशा दूसरों पर ही ज्यादा ध्यान देती रही हूं। मेरे बच्चे के जन्म के बाद जो बदलाव आया है, वह यह है कि मुझे आखिरकार खुद के साथ अपने रिश्ते को संवारने का समय मिल गया है, और शायद यह सबसे अच्छी बात है।'

सिद्धार्थ ने दिया कियारा का साथ

कियारा ने इस दौर में अपने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा की भूमिका के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि अपने काम में बहुत व्यस्त होने के बावजूद, सिद्धार्थ ने छोटे-छोटे लेकिन बहुत ही मायने रखने वाले प्रयास किए। उन्होंने कहा कि कई दिन ऐसे भी आते थे, जब उनकी भावनाएं उन पर इतनी हावी हो जाती थीं। छोटी-छोटी बातें भी उनकी आंखों में आंसू ला देती थीं। उस दौरान सिद्धार्थ अपनी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त थे, लेकिन फिर भी वह उनके साथ समय निकालने की पूरी कोशिश करते थे। अक्सर काम खत्म करने के बाद, वह देर रात उनकी मां के घर उनसे मिलने आते थे। डॉक्टर की सलाह पर, सिद्धार्थ उन्हें रात में थोड़ी देर के लिए घुमाने भी ले जाते थे।

खुद की नहीं

800 करोड़ी फिल्म देने वाले एक्टर की मूवी प्रमोट कर रहे सलमान

बॉबी देओल की अपकमिंग फिल्म 'बंदर' का टीजर रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है. अब सलमान खान भी अपने दोस्त की फिल्म को प्रमोट करने के लिए आगे आए हैं. उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म का टीजर शेयर करते हुए फैंस से खास अंदाज में सिनेमाघरों में जाकर फिल्म देखने की अपील की है. बॉबी देओल की अपकमिंग फिल्म 'बंदर' का टीजर रिलीज हो चुका है, जिसे लोग पसंद कर रहे हैं. इस फिल्म की चर्चा लंबे वक्त से हो रही थी, 5 जून को ये फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. सलमान खान अब अपने दोस्त की फिल्म को प्रमोट करने के लिए आगे आए हैं, उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'बंदर' का टीजर शेयर किया है, जिसके साथ ही उन्होंने लोगों से फिल्म देखने जाने को लेकर खास अपील की है. अनुराग कश्यप की डायरेक्शन में बनी फिल्म 'बंदर' का दर्शक काफी वक्त से इंतजार कर रहे थे, अब फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है. जिसको लेकर लोगों की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है. सलमान खान ने पहले इसके टीजर को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया, उसके बाद अब एक्टर ने टीजर को स्टोरी पर भी लगाया है. इसके साथ ही उन्होंने अलग तरीके से फिल्म के टाइटल को डिस्क्राइब भी किया है.

होने वाली है कमाल की टक्कर

फिल्म की बात करें, तो इसमें सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी और सबा आजाद जैसे स्टार्स शामिल हैं, साथ ही ये भी बताया जा रहा है कि ये फिल्म सच्ची घटना पर बनाई गई है. ये फिल्म समीर मेहरा नाम के शख्स के इर्द-गिर्द घुमता है.

मप्र: मुख्यमंत्री आज 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को अंतरित करेंगे योजना की राशि

✔ लाड़ली बहना योजना की 36वीं किश्त के रूप में अंतरित की जाएगी 1,835 करोड़ रुपये से अधिक की राशि

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज बुधवार को नरसिंहपुर जिले के मुंगवानी में आयोजित कार्यक्रम से ह्यमुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजनाह्न की 36वीं किश्त जारी करेंगे। प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 22 हजार 542 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 1,835 करोड़ 67 लाख 29 हजार 250 रुपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की जाएगी। जनसम्पर्क अधिकारी बिन्दु सुनील ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर 01:30 बजे ग्राम मुंगवानी में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में हितग्राहियों को लाभांवित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर 12:35 बजे भोपाल से हैलीकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 01:30 बजे हैलीपेड मुंगवानी पहुंचेंगे और स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके बाद वे दोपहर 03:20 बजे हैलीपेड मुंगवानी से जिला अनूपपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, लाड़ली बहना योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मविश्वास और सम्मान का आधार बन चुकी है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं की परिवार के निर्णयों में भागीदारी बढ़ी है, पोषण एवं स्वास्थ्य स्तर में सुधार हुआ है और ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाओं की आर्थिक भूमिका मजबूत हुई है। गौरतलब है कि वर्ष 2023 जून में शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी लाड़ली बहना योजना में अप्रैल 2026 तक 35 मासिक किस्तों का सफलतापूर्वक अंतरण किया जा चुका है। आज जारी की जा रही राशि योजना की 36वीं किश्त होगी। जून 2023 से अप्रैल 2026 तक महिलाओं के खातों में कुल 55,926.51 करोड़ रुपये की राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से जमा की जा चुकी है।

राशि में क्रमिक वृद्धि: 1,000 से बढ़कर 1,500 रुपये प्रतिमाह

योजना के प्रारंभ में प्रत्येक पात्र महिला को 1,000 रुपये प्रतिमाह प्रदान किए जाते थे। अक्टूबर 2023 में इसे बढ़ाकर 1,250 रुपये प्रतिमाह किया गया। इसके बाद नवंबर 2025 से राशि में पुनः वृद्धि कर इसे 1,500 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत कम राशि प्राप्त करने वाली महिलाओं को भी इस योजना के माध्यम से अतिरिक्त सहायता देकर कुल देय राशि सुनिश्चित की जा रही है।

करोड़ों महिलाओं के जीवन में आया व्यापक परिवर्तन

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना ने मध्य प्रदेश में महिला कल्याण के क्षेत्र में एक नई मिसाल स्थापित की है। यह केवल आर्थिक सहायता योजना नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम बन गई है। योजना से प्रदेश की महिलाओं के जीवन में व्यापक और सकरात्मक परिवर्तन आए है। नियमित आर्थिक सहायता ने महिलाओं को घरेलू खर्चों के प्रबंधन ने अधिक आत्मनिर्भर बनाया है, जिससे वे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ बच्चों के पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य पर अधिक प्रभावी ढंग से खर्च कर पा रही है। योजना से प्राप्त राशि ने अनेक महिलाओं को स्व-सहायता समूहों, लघु उद्योगों और स्व-रोजगार गतिविधियों से जुड़ने के लिये प्रेरित किया है। इससे उनकी आय के अतिरिक्त स्त्रोत विकसित हुए है। आर्थिक रूप से सशक्त होने के साथ महिलाओं के परिवार के महत्वपूर्ण निर्णयों में भागीदारी बढ़ी है और उनकी राय को अधिक महत्व मिलने लगा है। बैंक खातों में सीधे राशि अंतरण की व्यवस्था ने महिलाओं को औपचारिक बैंकिग और वित्तीय सेवाओं से जोड़ा है। इससे उनमें वित्तीय साक्षरता और आर्थिक आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

ग्रामीण और शहरी महिलाओं के लिए समान रूप से उपयोगी

योजना का लाभ ग्रामीण, आदिवासी, शहरी, कल्याणी, तलाकशुदा और परित्यक्त महिलाओं सहित व्यापक वर्ग को मिल रहा है। पात्र महिलाओं के सक्रिय और आधार-लिंक्ड बैंक खातों में राशि सीधे जमा होने से प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और त्वरित बनी है। राज्य सरकार ने विभिन्न विशेष अवसरों और त्योहारों पर अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर महिलाओं के जीवन में उत्साह और खुशियों का संचार किया है।

प्रधानमंत्री की अपील का गुजरात में असर:

राज्यपाल अब बस और ट्रेन से करेंगे सफर, भूपेंद्र पटेल ने घटाया काफिला

एजेंसी

गांधीनगर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पेट्रोल-डीजल की बचत, कार पूलिंग और अनावश्यक खर्च कम करने की अपील का बड़ा असर गुजरात में दिखा है। प्रधानमंत्री ने स्वयं अपने एसपीजी काफिले में 50 प्रतिशत वाहनों की कटौती करने का निर्देश दिया है। गुजरात यूनिवर्सिटी ने भी कार पूलिंग लागू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने अपना काफिला छोटा कर लिया है। राज्यपाल ने एसटी बस और ट्रेन से सफर करने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अमरेली जिले के राजुला दौरे में सादगी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सामान्यतः मुख्यमंत्री के दौरे में 10 से अधिक वाहनों का काफिला रहता है, लेकिन इस बार वे केवल दो कारों के साथ राजुला पहुंचे। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने अब हेलिकॉप्टर और विमान सेवाओं के बजाय एसटी बस और ट्रेन से यात्रा करने का फैसला किया है। साथ ही राज्यपाल ने अपने काफिले में भी वाहनों की संख्या न्यूनतम रखने का निर्णय लिया है। उन्होंने नागरिकों से प्रदूषण कम करने के लिए साइकिल और इलेक्ट्रिक व्हीकल के अधिकतम उपयोग की अपील भी की है।

राज्य के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने भी प्रधानमंत्री की अपील का समर्थन करते हुए अपना अमेरिका दौरा रद्द कर दिया है। मई के अंतिम सप्ताह में उन्हें फेडरेशन ऑफ गुजराती एसोसिएशन ऑफ यूएसए कन्वेंशन में शामिल होना था, लेकिन प्रधानमंत्री की एक वर्ष तक विदेश यात्राएं टालने की अपील के बाद उन्होंने अपना दौरा स्थगित कर दिया।

नेपाल : राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री बालेन्द्र नहीं देंगे जवाब

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को आज संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में सहभागी होते हुए संसद के जवाब देने के लिए समय तय किया गया था, लेकिन अंतिम समय में उनकी तरफ से इसे स्थगित कर दिया गया है। प्रधानमंत्री के निजी सचिवालय के मुताबिक, प्रतिनिधि सभा की बैठक में संबोधन नहीं करेंगे। सरकार द्वारा संसद में राष्ट्रपति द्वारा पेश प्रस्तुत नीति तथा कार्यक्रम पर उठे सवालों का जवाब प्रधानमंत्री देंगे, ऐसा बताते हुए संसद सचिवालय ने पहले सूचना जारी की थी। प्रधानमंत्री की प्रेस सलाहकार दीपा दाहाल ने बताया कि प्रधानमंत्री विशेष कारणों से संसद की बैठक को संबोधित नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, ह्लप्रधानमंत्री का आज संसद में संबोधन कार्यक्रम विशेष कारणवश स्थगित कर दिया गया है। संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर उठे सवालों का जवाब वित्तमंत्री स्वर्णिम वागले देंगे।ह्व बताया गया है कि प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की तरफ से दो लाइन का लिखित धन्यवाद प्रस्ताव स्पीकर को सौंप दिया गया है। मंगलवार को हुई संसद बैठक में विभिन्न दलों के प्रतिनिधित्व के आधार पर सांसदों ने सरकार की नीति तथा कार्यक्रम पर अपने विचार रखे थे। इस पर उठे सवालों का आज प्रधानमंत्री को जवाब देना था। प्रधानमंत्री की संसद से दूरी बनाने की यह घटना पहली नहीं है। सोमवार को राष्ट्रपति द्वारा संसद की संयुक्त बैठक में सहभागी होने के लिए जब आए तब भी प्रधानमंत्री उनके स्वागत के समय वहां से नदारद दिखे। जबकि सामान्य शिष्टाचार के तहत राष्ट्रपति के आगमन के समय स्पीकर, डिप्टी स्पीकर और राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष के साथ प्रधानमंत्री को भी मौजूद होना चाहिए। इतना ही नहीं राष्ट्रपति के सदन में पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने संसद में प्रवेश किया। प्रधानमंत्री की सबसे बड़ी आलोचना उस बात को लेकर हो रही है जब राष्ट्रपति के अभिभाषण के शुरू होने के कुछ समय बाद ही बालेन्द्र शाह बीच में ही उठ कर चले गए थे।

मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर, मालवा-निमाड़ के 11 जिलों में चार दिन लू का अलर्ट, रतलाम सबसे गर्म

एजेंसी

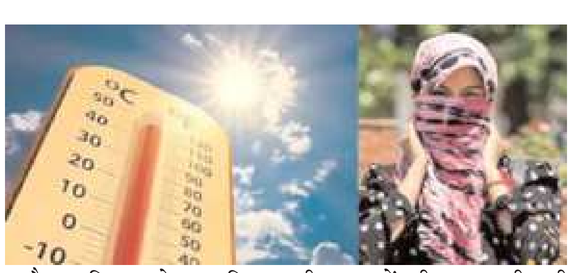

भोपाल : मध्य प्रदेश में एक बार फिर भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने मालवा-निमाड़ क्षेत्र समेत इंदौर और उज्जैन संभाग के 11 जिलों में अगले चार दिनों तक लू चलने की चेतावनी जारी की है। वहीं भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के कई इलाकों में भी हीट वेव का असर देखने को मिलेगा। राजधानी भोपाल में बुधवार सुबह से बादल छाए रहे। मंगलवार को भी प्रदेश के कई जिले तेज गर्मी और लू की चपेट में रहे, जबकि निमाड़ क्षेत्र में मौसम ने अचानक करवट ली और तेज आंधी, बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। रतलाम प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में सक्रिय साइक्लोनिक सकुर्लेशन और टर्फ सिस्टम के कारण मौसम में बदलाव देखने को मिला। बालाघाट, सिवनी, दतिया, टीकमगढ़, धार, इंदौर, देवास, सीहोर, सागर, छिंदवाड़ा और रायसेन में मंगलवार को दिनभर उमस और तेज गर्मी रही, लेकिन शाम होते-होते कई इलाकों में मौसम बदला। निवाड़ी और बालाघाट में ओले गिरे, जबकि अन्य जिलों में आंधी और बारिश दर्ज की गई। भोपाल में तेज धूप के बीच बादलों की आवाजाही बनी रही और रात में कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी भी हुई। तापमान की बात करें तो रतलाम लगातार तीसरे दिन प्रदेश में सबसे गर्म रहा। धार में तापमान 44.5 डिग्री दर्ज हुआ। श्योपुर और शाजापुर में 44 डिग्री, खरगोन में 43.6 डिग्री, गुना में 43.3 डिग्री और सागर में 43.2 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश के बड़े शहरों में उज्जैन सबसे गर्म रहा, जहां पारा 44.4 डिग्री तक पहुंच गया। इंदौर में 43.6 डिग्री, भोपाल में 42.6 डिग्री, जबलपुर में 42 डिग्री और ग्वालियर में 41.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए इंदौर, उज्जैन, रतलाम, राजगढ़, शाजापुर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, देवास, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर में लू का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में तापमान 45 डिग्री तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। वहीं भोपाल, रायसेन, सीहोर, विदिशा, बड़वानी, मंदसौर, नर्मदापुरम, ग्वालियर, शिवपुरी, मुरैना, भिंड, जबलपुर, कटनी, सिवनी, रीवा, सतना, शहडोल, सागर, दमोह, छतरपुर और टीकमगढ़ समेत कई जिलों में तेज गर्मी का असर बना रहेगा। गौरतलब है कि प्रदेश में 30 अप्रैल से आंधी-बारिश का सिलसिला शुरू हुआ था, जो 10 मई तक लगातार जारी रहा।

हिमाचल पंचायत चुनाव : एमबीए, एमएससी और एडवोकेट उम्मीदवार आजमा रहे किस्मत

शिमला : हिमाचल प्रदेश के पंचायत चुनावों में इस बार बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। कभी गांव की राजनीति पारंपरिक परिवारों और प्रभावशाली लोगों तक सीमित मानी जाती थी, लेकिन अब पढ़े-लिखे युवा बड़ी संख्या में चुनावी मैदान में उतर रहे हैं। एमबीए, एमएससी, एलएलबी, बीएड और दूसरी प्रोफेशनल डिग्री हासिल कर चुके उम्मीदवार पंचायतों की कमान संभालने के लिए लोगों के बीच पहुंच रहे हैं। कई पंचायतों में सेवानिवृत्त कर्मचारी और अधिकारी भी चुनाव लड़ रहे हैं। इससे इस बार पंचायत चुनावों का माहौल पहले के मुकाबले ज्यादा दिलचस्प और प्रतिस्पर्धी बन गया है। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि अब गांवों में मतदाता उम्मीदवारों की शिक्षा, सोच और कार्यशैली को भी महत्व देने लगे हैं। मंडी जिले के धर्मपुर विकास खंड की सिद्धपुर पंचायत से प्रधान पद के उम्मीदवार अजय कुमार एमएससी बायोटेक्नोलॉजी और बीएड प्रथम श्रेणी से पास हैं। उनका कहना है कि वे पंचायत को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना चाहते हैं। चोलथरा पंचायत से प्रधान पद के उम्मीदवार संतोष राणा बीएससी और एमएससी डिग्री धारक हैं। वे पंचायतों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को प्राथमिकता देने की बात कर रहे हैं। सधोट पंचायत से प्रधान पद के उम्मीदवार विशाल ठाकुर पेशे से एडवोकेट हैं। उनका कहना है कि पंचायतों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की जरूरत है। वहीं समौड़ पंचायत से चुनाव लड़ रहे प्रताप सकलानी भी पेशे से वकील हैं। उनका मानना है कि कानूनी जानकारी रखने वाले प्रतिनिधि गांव के लोगों को सरकारी योजनाओं और अधिकारों की बेहतर जानकारी दे सकते हैं।

सोनिया गांधी को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया

एजेंसी

गुरुग्राम : कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को आज सुबह गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों का कहना है कि उन्हें नियमित स्वास्थ्य जांच और एक मामूली सर्जरी के लिए मेदांता लाया गया है। वो वरिष्ठ डॉक्टरों की निगरानी में हैं।

79 वर्षीय सोनिया गांधी के स्वास्थ्य के बारे में मेदांता अस्पताल ने अभी तक कोई आधिकारिक बुलेटिन जारी नहीं किया गया है। इससे पहले मार्च में भी सोनिया गांधी को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां उनका सिस्टमिक इन्फेक्शन का इलाज चला था। कांग्रेस के नेताओं और समर्थकों ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 138 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर घरेलू शेयर बाजार पर पड़ा है। हालांकि, सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। फिलहाल, बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक में तेजी दिख रही है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 137.64 अंक यानी 0.18 फीसदी की उछाल के साथ 74,696.88 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 66.25 अंक यानी 0.28 फीसदी की तेजी के साथ 23,445.80 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पावर ग्रिड, टाइटन और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में रहे। हालांकि, एशियन पेंट्स, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में तेजी दर्ज की गई। इसी तरह एशियाई शेयर बाजारों दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहा है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 106.6 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि घरेलू शेयर बाजार में कल लगातार चाथे कारोबारी सत्र में गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 1,456 अंक गिरकर 74,559 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 436 अंक की गिरावट के साथ 23,379 के स्तर पर बंद हुआ था। पिछले 4 दिन में सेंसेक्स करीब 3,500 अंक और निफ्टी लगभग 1,000 अंक गिरा है।

न्यूज IN ब्रीफ

बंशी छपरा के समीप सड़क हादसे में एक की मौत, सात घायल

सारण : जिले में रसूलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बंशी छपरा गांव के समीप छपरा–सीवान नेशनल हाईवे पर अहले सुबह एक सड़क हादसा हो गया। बारात से लौट रही एक तेज रफ्तार बोलेरो सड़क किनारे खड़े एक अज्ञात ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में बोलेरो सवार एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस जानकारी के अनुसार बोलेरो सवार सभी लोग एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस अपने घर दाउदपुर थाना क्षेत्र की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ी बंशी छपरा गांव के पास पहुंची अंधेरे में सड़क किनारे खड़े एक अज्ञात ट्रक से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके का फायदा उठाकर वाहन सहित फरार होने में सफल रहा। घटना की सूचना मिलते ही रसूलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची स्थानीय लोगों के सहयोग से बचाव कार्य शुरू किया। घटना में मृतक की पहचान दाउदपुर थाना क्षेत्र के दुमदुमा गांव निवासी 30 वर्षीय राहुल कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घटना में गंभीर रूप से घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर चिकित्सा हेतु छपरा सदर अस्पताल रेफर कर गया। अन्य घायलों का इलाज स्थानीय स्तर पर चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों में चीख–पुकार मच गई। थानाध्यक्ष प्रिंस राज ने बताया कि क्षतिग्रस्त बोलेरो को पुलिस ने जब्त कर लिया है और अज्ञात ट्रक व उसके चालक की तलाश के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पटना पुलिस से मुठभेड़ में 2 वांछित अपराधी घायल, एक गिरफ्तार

पटना : राजधानी पटना के बिहटा थाना क्षेत्र में देर रात पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो अपराधियों को पैर में गोली लगी है। पुलिस ने दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल दोनों अपराधी की पुलिस की कड़ी निगरानी में ईलाज जारी हैं। पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों से प्रारंभिक पूछताछ के दौरान तीनों ने पूर्व में घटित एक हत्याकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि आगामी आपराधिक घटना को अंजाम देने हेतु उपयोग किए जाने वाले हथियार बिहटा थाना क्षेत्र के एक स्थान पर छिपाकर रखे गए हैं। तत्पश्चात पुलिस टीम जब अपराधियों की निशानदेही पर बताए गए स्थल पर पहुंची, तभी अपराधियों द्वारा छिपाए गए हथियार से पुलिस बल पर अचानक फायरिंग प्रारंभ कर दी गई। पुलिस टीम द्वारा पूर्ण संयम, सतर्कता एवं साहस का परिचय देते हुए आत्मरक्षा में नियंत्रित जवाबी कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में 2 अपराधी अवधेश उर्फ विदेशिया एवं पप्पू राय के पैर में गोली लगी, जबकि तीसरे अपराधी दीपक कुमार द्वारा पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया गया। घायल अपराधियों को सुरक्षित अभिरक्षा में लेकर तत्काल समुचित उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया है। अग्रतर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

पांच दिनों से गायब युवक का शव मिला झाड़ियां में , परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

बिजनौर : उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर स्थित थाना हल्दौर में कई दिनों से घर से गायब गुल्लू का शव कब्रिस्तान के निकट झाड़ियों में सडी.गली हालत में मिला। सूचना मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टपार्टम के लिए भेज दिया है । पुलिस मामले की जांच में लग गई है। बताया गया है कि कस्बा हल्दौर नई बस्ती निवासी गुल्लू गाड़ी से 9 तारीख को घर पहुंचा था। गुल्लू के भाई नौशाद का कहना है कि उसी दिन दो लड़के बाइक पर आए थे जो गुल्लू को लेकर चले गए थे जिसमें एक शिवम नाम के लड़के को जानता हूं। दूसरे के बारे में जानकारी नहीं है तभी से गुल्लू घर नहीं लौटा, जिसकी तलाश की जा रही थी। पुलिस में भी सूचना दी गई थी जिसकी पुलिस भी जांच तलाश कर रही थी` मृतक गुल्लू के परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए दोस्त पर हत्या का आरोप लगाया है` हल्दौर थाना प्रभारी कृष्ण अवतार ने बताया कि सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही सामने आ सकेगा। मामले में आगे की जांच करवाई की जाएगी`

श्रीनगर-लेह हाईवे बाईपास पर तेल का एक टैंकर पलटा

श्रीनगर : गांदरबल जिले के वटलर इलाके में बुधवार को श्रीनगर–लेह हाईवे बाईपास पर तेल का एक टैंकर पलट गया। इसके चलते तेल सड़क पर फैल गया जिसके बाद आपातकालीन बचाव टीमों ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी देते अधिकारियों ने बताया कि टैंकर जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर पीबी02एफबी2307 है कथित तौर पर वटलर बाईपास के पास बेकाबू हो गया और सड़क किनारे पलट गया। अधिकारियों के अनुसार दुर्घटना के तुरंत बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। इस घटना के कारण हाईवे पर भारी मात्रा में तेल फैल गया जिससे इस व्यस्त मार्ग पर यात्रा करने वाले लोगों के लिए ट्रैफिक में रुकावट और सुरक्षा जोखिमों को लेकर चिंताएं बढ़ गईं। दुर्घटना के तुरंत बाद फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज की टीमें और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने तेल को फैलने से रोकने और इलाके को सुरक्षित करने के लिए बचाव अभियान शुरू कर दिया। अधिकारियों ने प्रभावित हिस्से को साफ करने और वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं, ताकि लोगों को किसी भी तरह की और असुविधा न हो। रिपोर्ट के लिखे जाने तक, घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है।

उद्योगों की समस्याओं का प्राथमिकता से होगा समाधान : कलेक्टर मिश्रा

भोपाल : मध्य प्रदेश के भोपाल जिले के कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों के समग्र विकास तथा उद्यमियों की आर्थिक उन्नति के लिए जिला प्रशासन पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उद्योगों के सुचारू संचालन में आने वाली समस्याओं और बाधाओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। कलेक्टर मिश्रा मंगलवार को गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड, एम.एस.एम.ई. प्रोत्साहन योजना अंतर्गत जिला स्तरीय सहायता समिति एवं जिला निर्यात समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में कलेक्टर ने उद्यमियों से संवाद करते हुए कौशल उन्नयन की दिशा में अभिनव पहल का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि उद्योगपति अपनी आवश्यकता के अनुरूप कौशल विकास पाठ्यक्रम तैयार करें। प्रशासन इन पाठ्यक्रमों के आधार पर आईटीआई महाविद्यालयों के साथ ह्लफ्लेक्सी एमओयूह्व के माध्यम से उद्योगों को प्रशिक्षित एवं कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने की व्यवस्था करेगा। उन्होंने उद्यमियों से अपनी विस्तृत कार्ययोजना साझा करने तथा वर्तमान उद्योगों एवं नवीन तकनीक के मध्य मौजूद ह्लटेक्नोलॉजी गैपह्व को चिन्हित करने का आग्रह किया, जिससे प्रशासन इस दिशा में परिणाममूलक कार्य कर सके।

बैठक में एम.एस.एम.ई. प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्राप्त 23 आवेदनों की समीक्षा की गई, जिनमें से 20 पात्र प्रकरणों को स्वीकृति प्रदान की गई। योजना के तहत उद्यमियों को पूंजीगत निवेश पर 40 प्रतिशत तक अनुदान प्रदान किए जाने का प्रावधान है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने नगर निगम को गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही एमपीआईडीसी अधिकारियों को औद्योगिक क्षेत्रों में निर्यात सेल की जानकारी का व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि स्थानीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल सके। बैठक में गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन, बगरोदा एवं आचारपुरा इंडस्ट्री एसोसिएशन तथा लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधियों के साथ क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान व्यावसायिक अतिक्रमण, सुरक्षा व्यवस्था, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से एनओसी, नगर वाहन सेवा की उपलब्धता तथा फायर स्टेशन की स्थापना जैसे विषयों पर विचार–विमर्श हुआ।

कलेक्टर मिश्रा ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए। बैठक में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक सत्येंद्र कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक आलोक चक्रवर्ती सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खंडहर में तब्दील हुआ प्रतापपुर का ऐतिहासिक राजगढ़ किला, अब कचरा फेंकने की जगह बना

संवददाता

चतरा। जिले में प्रतापपुर प्रखंड क्षेत्र की शान और ऐतिहासिक पहचान माना जाने वाला राजगढ़ किला आज बदहाली और उपेक्षा का शिकार हो चुका है। वर्षों पुराना यह किला अब धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील होता जा रहा है। हालत यह है कि किले के आसपास लोग खुलेआम कचरा फेंक रहे हैं, जिससे पूरे इलाके में गंदगी और दुर्गंध फैल रही है। आसपास रहने वाले ग्रामीणों का कहना है कि बदबू के कारण उनका घरों में रहना मुश्किल हो गया है, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह किला कभी प्रतापपुर क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहर माना जाता था। दूर-दूर से लोग इसे देखने पहुंचते थे। बुजुर्ग बताते हैं कि किले से जुड़ी कई ऐतिहासिक कहानियां और लोककथाएं आज भी गांव में सुनाई जाती हैं। लेकिन समय के साथ संरक्षण के अभाव में इसकी दीवारें टूटने लगीं और अब यह पूरी तरह वीरान नजर आता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि किले के आसपास नियमित सफाई नहीं होती। धीरे-धीरे यह जगह कचरा फेंकने का अड्डा बन गई है। घरों का कूड़ा, प्लास्टिक और अन्य गंदगी यहां फेंकी जा रही है। बारिश के दिनों में स्थिति और खराब हो जाती है। सड़ांध के कारण लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है। कई बार स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत भी की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन चाहे तो इस ऐतिहासिक स्थल को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। किले की साफ-सफाई, घेराबंदी और संरक्षण होने से यहां पर्यटकों का आना बढ़ सकता है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। लेकिन फिलहाल स्थिति यह है कि ऐतिहासिक महत्व रखने वाला यह स्थल धीरे-धीरे अपनी पहचान खोता जा रहा है। स्थानीय युवाओं ने भी किले के संरक्षण की मांग उठाई है। उनका कहना है कि सरकार और पुरातत्व विभाग को इस दिशा में पहल करनी चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी ऐतिहासिक विरासत को जान सकें। ग्रामीणों ने किले के आसपास कचरा फेंकने पर रोक लगाने और नियमित सफाई कराने की मांग की है। इतिहास की गवाही देने वाला राजगढ़ किला आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। यदि समय रहते इसके संरक्षण की दिशा में कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में यह ऐतिहासिक धरोहर पूरी तरह मिट सकती है।

न्यूज IN ब्रीफ

ट्रेन से उतरने के बाद यात्री प्लेटफार्म पर अचेत

जमशेदपुर : टाटानगर स्टेशन पर ट्रेन से उतरने के बाद यात्री प्लेटफार्म पर गिरकर अचेत हो गया। घटना मंगलवार को मुंबई हावड़ा गीतांजलि एक्सप्रेस की है। यात्री के गिरने की सूचना से रेल कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई और तत्काल टाटानगर रेलवे अस्पताल से एंबुलेंस को स्टेशन बुलाया गया। रेलवे डॉक्टर ने अचेत यात्री को प्रारंभिक जांच के बाद सदर अस्पताल रेफर किया है। रेलवे डॉक्टर के अनुसार यात्री लंबे समय से बीमार प्रतीत होता है।

जयनगर की ट्रेन से मोबाइल चोरी का केस दर्ज

जमशेदपुर : जयनगर टाटानगर साप्ताहिक एक्सप्रेस से आदित्यपुर निवासी नित्यानंद मिश्रा की मोबाइल एवं अन्याकाई सामान रविवार को चोरी हो गई। यात्री ने ट्रेन से उतरकर टाटानगर रेल थाना में रविवार को अज्ञात के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कराया था। जिसे टाटानगर से बिहार के झाझा रेल थाना में भेज दिया गया। यात्री के अनुसार बैग में मोबाइल और कुछ रुपए के अलावा कई घरेलू सामान थे।

मानगो में बिजली विभाग का शिकायत निवारण शिविर कल

जमशेदपुर : झारखंड बिजली वितरण निगम की ओर से 13 मई को मानगो में दो स्थानों पर शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया जाएगा। इनमें से एक शिविर शंकोसाई सब डिवीजन कार्यालय और दूसरा जवाहरनगर रोड नंबर 15 स्थित पावर सब स्टेशन परिसर में सुबह 11 बजे से दोपहर बाद 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा। शिविर में उपभोक्ता अपनी समस्याएं बताएंगे और विभाग उसका निष्पादन करेगा।

बारात से लौट रहे दो युवकों की सड़क हादसे में मौत

मेदिनीनगर : जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र के मदनपुर गांव के पास बुधवार सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान सदर थाना क्षेत्र के सुआ कौड़िया गांव निवासी 22 वर्षीय किशन कुमार और गढ़वा जिले के डंडई थाना क्षेत्र के बौलिया गांव निवासी 29 वर्षीय अनुज कुमार के रूप में हुई है।

बताया गया कि दोनों युवक मंगलवार की शाम रिश्तेदार की बारात में शामिल होने लठेया गांव गए थे। बुधवार सुबह घर लौटने के दौरान मदनपुर के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर छतरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

स्टेशन पोर्टिको में अज्ञात महिला की मौत

जमशेदपुर : टाटानगर स्टेशन पोर्टिको में बुधवार सुबह 55 वर्षीय अज्ञात महिला की मौत हो गई। स्टेशन ड्यूटी रेल कर्मचारी और आरपीएफ जवानों की सूचना पर जीआरपी ने शव को उठाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जीआरपी के अनुसार महिला की पहचान नहीं हुई है लेकिन वह खानाबदोश परिवार की बढ़ाई जाती है। जो स्टेशन पर यात्रियों से मांग कर जीवन यापन करती थी।

ट्रेनों की लेटलतीफी के खिलाफ सिख स्टूडेंट्स फेडरेशन का अभियान तेज

जमशेदपुर : ऑल इंडिया सिख स्टूडेंट्स फेडरेशन ने टाटानगर स्टेशन पर यात्री ट्रेनों की लगातार हो रही देरी के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन शुरू करते हुए साकची में पत्र हस्ताक्षर अभियान लगाया। एक हजार से अधिक लोगों ने रेल मंत्री को संबोधित पत्र पर हस्ताक्षर किए। फेडरेशन के पूर्वी भारत अध्यक्ष सतनाम सिंह गंभीर ने कहा कि महीनों से यात्री परेशान हैं, लेकिन प्रशासन ने कोई सुनवाई नहीं की। पहले चरण में पांच हजार पत्र भेजने का लक्ष्य है। जब तक समस्या का समाधान नहीं होगा, आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान दिलबाग सिंह, इंदर सिंह, अमरजीत सिंह, मनदीप सिंह, सुरजीत सिंह समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गोलमुरी में युवक का अपहरण, एटीएम से 29 हजार रुपये निकाले

जमशेदपुर : गोलमुरी थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति का अपहरण कर उससे नगद और बैंक खाते से रुपये निकालने का मामला सामने आया है। इस संबंध में न्यू डीएस फ्लैट, केबुल टाउन निवासी उदित कुमार प्रधान ने गोलमुरी थाना में शिकायत दर्ज कराई है। उदित प्रधान ने पुलिस को बताया कि 7 मई को उन्हें रोहित कुमार शर्मा ने फोन कर टिनप्लेट काली मंदिर के पास बुलाया था। वहां पहुंचते ही आरोपियों ने उन्हें टाटा सफारी में बैठाकर आंख पर पट्टी बांध दी। गाड़ी में मौजूद अन्य लोगों में आयुष उर्फ धीरज भी शामिल था। आरोपियों ने स्कूल में नामांकन से अधिक पैसा कमाने की बात कहकर उनके पास से 11,400 रुपये, एटीएम कार्ड और उसका पिन ले लिया।

पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने रात करीब 10 बजे तक उन्हें विभिन्न स्थानों पर घुमाया और बाद में विष्टुपुर स्थित कांतिलाल अस्पताल के पास छोड़ दिया। घर पहुंचने पर उन्हें पता चला कि उनके बैंक खाते से एटीएम के जरिए 29,600 रुपये निकाले गए हैं। आरोपियों ने पुलिस में शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी थी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

माधव लाल सिंह के निधन पर विधायक सरयू राय ने जताया शोक

जमशेदपुर : गोमिया से लंबे समय तक विधायक रहे माधव लाल सिंह के निधन पर जमशेदपुर पश्चिम विधायक सरयू राय ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि माधव लाल सिंह का व्यक्तित्व अप्रतिम था। उनके निधन से एक युग का अंत हो गया है। विधायक ने कहा कि मैं उनके काफी करीब रहा और उन्हें नजदीक से देखा है। वह गरीबों के प्रति झुकाव रखते थे, रात-रात भर पैदल चलकर उग्रवाद प्रभावित इलाकों में लोगों की बातें सुनते थे। उनकी ईमानदारी और कर्मठता अनुकरणीय थी। सरयू राय ने कहा कि वह बिना किसी समझौता के लोगों की सेवा करते थे, यही उनकी लोकप्रियता का राज था। माधव लाल सिंह युगांतरकारी व्यक्तित्व के रूप में हमेशा याद किए जाएंगे।

सूरत में प्रवासी मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, शव के पहुंचते ही गांव में मचा बवाल

गिरिडीह: जिले के बिरनी प्रखंड के प्रवासी मजदूर की सूरत में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी. शव पहुंचते ही गुरहा गांव में बवाल की स्थिति उत्पन्न हो गई. बिरनी प्रखंड स्थित गुरहा गांव निवासी प्रवासी मजदूर सचिन प्रसाद वर्मा की सूरत में संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई. मंगलवार को शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया.

मामले को लेकर परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है. मृतक की बहन ने सचिन की पत्नी और गांव के दो युवकों पर साजिश रचने का आरोप लगाया है. शव पहुंचने के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मृतक की पत्नी को घेर लिया और मारपीट भी की.

सदर अस्पताल में मनाया गया नर्स दिवस

संवाददाता

चतरा : सदर अस्पताल चतरा में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर अस्पताल की सभी नर्सें एकजुट होकर कार्यक्रम में शामिल हुईं और केक काटकर दिवस का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान नर्सों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की तथा सेवा और समर्पण की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में अस्पताल प्रबंधन के अधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने भी भाग लिया और नर्सों के योगदान की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि नर्सें स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ होती हैं, जो दिन-रात मरीजों की सेवा में तत्पर रहती हैं। मरीजों की देखभाल और उपचार में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।इस मौके पर नर्सों ने अपने अनुभव साझा किए और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने का संकल्प दोहराया। पूरे कार्यक्रम का माहौल उत्साह एवं सौहार्दपूर्ण बना रहा इस मौके पर सिविल सर्जन डॉक्टर सत्येंद्र कुमार सिन्हा उपाधीक्षक डॉ पंकज कुमार उपस्थित थे।

पलामू पुलिस जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत पुलिस-पत्रकार संवाद गोष्ठी आयोजित

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू पुलिस द्वारा मंगलवार को ह्लपलामू पुलिस जनसंपर्क कार्यक्रमह्व के तहत पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार में पुलिस-पत्रकार संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने की।

इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक राजीव रंजन, राजेश यादव, इंस्पेक्टर सुरेश राम, शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार, सदर थाना प्रभारी लालजी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे। गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक ने पत्रकारों से पुलिस का सहभागी बनने का आग्रह करते हुए एफआईआर, डायल-112, साइबर हेल्पलाइन 1930, महिला सुरक्षा, सीसीटीवी, यातायात नियम एवं सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूक किया। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु हेलमेट पहनना अत्यंत आवश्यक है तथा पलामू पुलिस अपने कर्मियों के लिए भी हेलमेट अनिवार्य करेगी। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से सुझाव प्राप्त किए गए तथा पुलिस-जन सहयोग को और मजबूत बनाने पर बल दिया गया।

अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप जब्त, तस्कर गिरफ्तार

96 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद

चतरा : जिले में अपराध और अवैध कारोबार पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से एसपी अनिमेष नैथानी द्वारा दिए गए विशेष निर्देशों के बाद हंटरगंज पुलिस ने शराब तस्करों के खिलाफ एक बार फिर बड़ी सफलता दर्ज की है। हंटरगंज थाना क्षेत्र के पांडेयपुरा मस्जिद के पास चलाए गए एंटी क्राइम वाहन चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने एक ऐसे तस्कर को दबोचा है, जो मोटरसाइकिल से अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप ले जा रहा था।वाहन चेकिंग के बीच पुलिस ने संदिग्ध मोटरसाइकिल जेएच 13 एफ-3586 को रुकवाया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम विजय कुमार (उम्र 30 वर्ष), पिता लखन साव, निवासी धर्मपुर,थाना प्रतापपुर,जिला चतरा बताया। पुलिस को उसके व्यवहार पर शक हुआ,जिसके बाद बाइक सीट पर रखे बोरे

की जांच की गई। जांच के दौरान बोरे से चार काटूनों में भरी 375 एम एल की 96 बोतल अवैध विदेशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर ही अंग्रेजी शराब,एंड्रॉयड मोबाइल और मोटरसाइकिल को जब्त करते हुए तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई के बाद अवैध कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ हंटरगंज थाना कांड संख्या 69/26, धारा 274/275 बीएनएस एवं 47(ए) एक्साइज एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस का यह अभियान इलाके में अवैध शराब नेटवर्क पर बड़ा प्रहार माना जा रहा है।इस कार्रवाई में पुलिस इंस्पेक्टर विपिन कुमार, थाना प्रभारी प्रभात कुमार, एएसआई सुनील दुबे एवं थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

मयूरहंड थाना प्रभारी समेत दो पुलिस पदाधिकारी निलंबित

संवाददाता

चतरा। पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मयूरहंड थाना प्रभारी आशीष प्रसाद एवं अवर निरीक्षक शिवदोय तिर्की को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। दोनों पुलिस पदाधिकारियों पर स्टेशन डायरी का समुचित संधारण नहीं करने, थाना अभिलेखों को व्यवस्थित नहीं रखने तथा कार्य के प्रति लापरवाही बरतने का आरोप है। पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कहा कि कार्य में लापरवाही करने वाले किसी भी पदाधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा। बताया कि दो दिन पूर्व मयूरहंड थाना के निरीक्षण में कई रिकार्ड अधूरे पाए गए और स्टेशन डायरी में आवश्यक प्रविष्टियों के रखरखाव में अनियमितता सामने आई थी। इसपर उन्होंने सख्त रूख अपनाते हुए लापरवाह थाना प्रभारी और अवर निरीक्षक को लाइन हाजिर करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इधर, मयूरहंड थाना के सुचारु संचालन को देखते हुए इटखोरी अंचल के पुलिस निरीक्षक अशोक राम को मयूरहंड थाना का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

वेरिएंट कंपनी की कोयला ढुलाई के खिलाफ वन विभाग का कारवाई, हड़कंप

संवाददाता

चतरा : जिले के टंडवा प्रखंड क्षेत्र सराढू राहम पंचायत सिमा स्थित वन भूमि पर ट्रांसपोटिंग सड़क बनाकर कोयला ढुलाई करने के मामले में टंडवा वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सड़क पर ट्रेंच काट कर अवरुद्ध (बंद) कर दिया है। यह कार्रवाई चतरा डीएफओ मुकेश कुमार की जांच में मामले का खुलासा होने के बाद निर्देशित करते हुए किया गया है। जानकारी के अनुसार, वेरिएंट कंपनी द्वारा वन भूमि का उपयोग कर ओवरलोड कोयला ढुलाई की जा रही थी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कंपनी विरोध करने वालों को भय का माहौल बनाकर तथा अधिकारियों को मैनेज करने की नाम पर लगातार अवैध ढुलाई कर रही थी। मामले की शिकायत आरसीसीएफ से लेकर रांची स्तर तक पहुंचाई गई थी, जिसके बाद वन विभाग हरकत में आई और चतरा डीएफओ के निर्देश पर टंडवा वन विभाग की टीम ने वन भूमि पर बनाए गए ट्रांसपोटिंग मार्ग को बंद कर दिया, ताकि आगे वन भूमि से कोयला

परिवहन न हो सके। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में कंपनी के खिलाफ लोगों में आक्रोश के साथ राहत भी देखी जा रही है। ग्रामीणों ने वन विभाग से वेरिएंट कंपनी के विरुद्ध मामला दर्ज कर गिरफ्तारी करने के मांग कर रहे हैं। स्थानीय पंचायत वासियों ने वन विभाग की कार्रवाई का स्वागत करते हुए विभाग को बधाई और आभार जताया है। ग्रामीणों ने कहा कि कार्रवाई लगातार जारी रहनी चाहिए, ताकि भविष्य में दोबारा वन भूमि का उपयोग कोयला ढुलाई के लिए नहीं किया जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि वन संपदा और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्रशासन को सख्त निगरानी रखनी चाहिए तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।